



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1976 (श्रावण 9, 1898)

No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1976 (SRAVANA 9, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

##### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जून 1976

सं० पी०/1837-प्रशा० १—इलाहाबाद विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग के भूतपूर्वी रीडर डा० बी० एस० मिश्र को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंबद्ध अधिसूचना दिनांक 9-3-1976 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31 मई 1976 तक उपसचिव के पद पर नियुक्त किया गया था, 31 अगस्त 1976 तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 मई 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशासन I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थानापन वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्ट० से० का ग्रेड सी) श्री पी० पी० सिक्का को राष्ट्रपति द्वारा 18-5-1976 (पूर्वान्त्र) से 29-7-1976 तक की 73 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्ट० से० का ग्रेड बी) के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/2/76-प्रशासन I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्ट० से० का ग्रेड सी) श्री पी० पी० सिक्का को राष्ट्रपति द्वारा 18-5-1976 (पूर्वान्त्र) से 29-7-1976 तक की 73 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्ट० से० का ग्रेड बी) के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री पी० पी० सिक्का को नोट कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्ट० से० का ग्रेड बी) के पद पर उनको नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर है और इससे उनको के० सं० स्ट० से० के ग्रेड बी में संविलयन या उस ग्रेड में वरिष्ठता का कोई अधिकार नहीं मिलेगा।

पी० ए० मुख्यमंत्री,  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)

## मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्यिक तथा प्रशासनिक मुद्रार विभाग)

## केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1976

सं० ए-20014/91/76-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एसडीआरा, श्री एच० एन० किंगडी, उप-निरीक्षक को दिनांक 17 जून 1976 के पूर्वाह्न से प्रगल्भ आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की बम्बई (सामान्य अपराध स्कंध) शाखा में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के पद पर प्रोत्तरत करते हैं।

विजय पाल पाण्डे,

प्रशासन अधिकारी (लेखा)

कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक/वि०पु०स्था०

## गृह संकालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स महानिरीक्षण

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 जुलाई 1976

सं० ओ० II-10/75 स्थापना—राष्ट्रपति श्री एच० वीरभद्रया, करनाटका संघर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री वीरभद्रया ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के महानिरीक्षक, सेक्टर I हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 16 जून 1976 के अपराह्न से संभाला।

दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० ओ०-II-1049/76-स्थापना-I—महानिरीक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल डाक्टर श्रीमती पी० सीतारतनम को तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 26-6-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर श्रीमती पी० सीतारतनम को युप सैंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल अवादी में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० ओ०-II-7/72-स्थापना—श्री ए० एम० शाह, भारतीय पुलिस अधिकारी, ने उत्तर प्रदेश राज्य में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 1 मई 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के उप-महानिरीक्षक ने दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

## समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 जून 1976

सं० ए० 21/23/75-वायरलैस—श्री एस० सी० जैन के रक्षा मंत्रालय, संयुक्त बीजलेख ब्यूरो में प्रत्यावर्तित होने पर

दिनांक 17 जून, 1976 के अपराह्न में समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) से अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद का कार्यभार छोड़ा।

छव्वपति जोशी,  
निदेशक,  
पुलिस दूर संचार

## भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

सं० 3217-रा० स्था० I/111-76

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1976

सं० 1973-रा० स्था० I/एन० 4/पी० एफ० VI, दिनांक 9-4-76—21 मार्च 1976 तथा 17 एवं 18 अप्रैल, 76 की छुट्टियों जोड़ने की अनुमति सहित 22 मार्च, 1976 से 16 अप्रैल 1976 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री टी० बी० नागराजन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 19 अप्रैल 1976 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री के० ललित, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 1716-रा० स्था० I/बी०-25, दिनांक 14-4-76—22 फरवरी 1976, रविवार, को छुट्टियों के साथ जोड़ने की अनुमति सहित 16 जनवरी 1976 से 21 फरवरी 1976 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एच० बी० भर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 23 फरवरी 1976 (पूर्वाह्न) से भारत के उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री आर० पी० रंगा, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 1715-रा० स्था० I/एम-54/पी० एफ० II, दिनांक 14-4-76—निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर 31 मार्च 1976 (अपराह्न) से श्री पी० भट्टाचार्य, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, भूतपूर्व निदेशक, लेखा तथा लेखापरीक्षा, डाक-सार, कलकत्ता सरकारी सेवा से (सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी समाप्त होने पर) निवृत्त हो गए हैं।

सं० 1690-रा० स्था० I/बी 44/पी० एफ० II, दिनांक 14-4-76—निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर 31 मार्च 1976 (अपराह्न) से श्री पी० भट्टाचार्य, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, भूतपूर्व निदेशक, लेखा तथा लेखापरीक्षा, डाक-सार, कलकत्ता सरकारी सेवा से (सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी समाप्त होने पर) निवृत्त हो गए हैं।

सं० 1717-रा० स्था० I/जी० 20/पी० एफ० IV, दिनांक 14-4-76—1 फरवरी 1976, रविवार, को छुट्टियों के साथ जोड़ने की अनुमति सहित 11 दिसम्बर 1975 से 31 अक्टूबर 1976 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री ओ० पी० गोयल, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 2 फरवरी 1976 (पूर्वाह्न) से मुख्य लेखापरीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री नेम चन्द, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 1852-रा० स्था० I/के० 7/पी० एफ० IV, दिनांक 23-4-76—भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में परावर्तन तथा काटी गई छुट्टी एवं कार्य ग्रहण अवधि के समाप्त होने पर श्री के० जे० कुरियन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 15 अप्रैल 1976 (पूर्वाह्न) से मुख्य लेखापरीक्षक, दक्षिण भृत्य रेलवे, सिकन्दराबाद के रूप में कार्य भार संभाल लिया है। उन्होंने श्री ए० जी० नारायण स्वामी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्य भार से मुक्त किया।

सं० 2022 रा० स्था० I/ए० 8/पी० एफ० V, दिनांक 6-5-76—इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० बड़ौदा (भारत सरकार का उपक्रम) में उनके स्थायी विलयन के परिणामस्वरूप श्री ए० जे० ए० तौरो, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियमावली 1972 के नियम 37 के अनुसार लोक हित से 1 मई 1976 से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 2948-रा० स्था० I/एस० 114/पी० एफ० दिनांक 16-6-76—महालेखाकार, पंजाब, चंडीगढ़ के कार्यालय के वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन) श्री एस० के० सेनगुप्ता, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, अपनी निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर 31 मई 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 2444-रा० स्था० I/जे०-4/पी० एफ० V, दिनांक 24-5-76—9 से 12 अप्रैल 1976 तक की छुटियाँ जोड़ने की अनुमति सहित 13 अप्रैल 1976 से 1 मई 1976 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री डी० डी० जेरथ, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 1 मई 1976 (अपराह्न) से महालेखाकार (1) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद के रूप में कार्य भार संभाल लिया। उन्होंने श्री वेद प्रकाश, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्य भार से मुक्त किया।

सं० 2758-रा० स्था० I/जी० 5/पी० एफ० IV, दिनांक 9-6-76—16 मई 1976 की छुट्टी जोड़ने की अनुमति सहित 30 अप्रैल 1976 से 15 मई 1976 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री पी० पी० धीर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, 17 मई 1976 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार (1), मध्य प्रदेश, ग्वालियर के रूप में कार्य भार संभाल लिया है। उन्होंने श्री एस० रामचन्द्रन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्य भार से मुक्त किया।

सं० 2773-ना० स्था० I/एस० 48/पी० एफ० VII, दिनांक 9-6-76—श्री एच० एस० सैमुश्ल, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 17 मई 1976 (पूर्वाह्न) से मुख्य लेखापरीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद के रूप में कार्य भार संभाल लिया है। उन्होंने श्री के० जे० कुरियन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा, सेवा को उनके स्थानान्तरण पर कार्य भार से मुक्त किया।

सं० 2910 रा० स्था० I/एन० 14/पी० एफ० III, दिनांक 11-6-76—25 अप्रैल, 1976 की छुट्टी को जोड़ने की अनुमति सहित 26 अप्रैल 1976 से 31 मई 1976 तक की छुट्टी से लौटने

पर श्री ए० जी० नारायण स्वामी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 1 जून 1976 से महालेखाकार (II) आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के रूप में कार्य भार संभाल लिया है। उन्होंने श्री जी० रामचन्द्रन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्य भार से मुक्त किया।

सं० 2911 रा० स्था० I/बी० 9/पी० एफ० के० उब्लू० दिनांक 11-6-76—छुट्टी से लौटने पर श्री ए० एन० विश्वास, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 1 जून, 1976 से मुख्य लेखापरीक्षक, पश्चिम रेलवे, बम्बई के रूप में कार्य भार संभाल लिया है। उन्होंने श्री एम० वाई० रानाड, भारतीय लेखा परीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्य भार से मुक्त किया।

ए० एच० जंग  
उप-निदेशक

### कार्यालय महालेखाकार

#### केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1976

सं० प्रशासन I/कार्यालय आवेदन 298/5-5/पदोन्नति/76-77/847—श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री अृषि देव को 19-6-76 (अपराह्न) से समय बेतनमान रु० 840-1200 में लेखा अधिकारी के रूप अव्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

#### हस्ता—

वरिष्ठ उप-महालेखाकार  
(प्रशासन)

### कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 10 अक्टूबर, 1975

सं० लेखाधिकारी/प्रशा०/75-76/1548—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के उप नियम (1) के अनुसरण में, मैं श्री बेग राज सरोहा लिपिक (कल्की) को एतद् द्वारा नोटिस देता हूं कि उनकी सेवाएँ, उस तारीख जिसको यह नोटिस उन्हें प्रेषित हो जाय अधिवा प्राप्त हो जाय यथास्थिती की तारीख से एक महीने समाप्ति पर, समाप्त समझी जावेगी।

र० अ० बोरकर,

वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1976

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/396/56-प्रशा० (राज०)/4292—श्री बी० थी० सबनिस को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्या-

लय, बम्बई में दिनांक 16-6-76 (दोपहर पूर्व) से नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद पर पुनः बहाल किया जाता है।

2. इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/396/56-प्रशा० (राज०)/1008, दिनांक 6-2-1976 को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

सं० 6/594/60-प्रशा० (राज०)/4286—श्री जे० ई० शेख को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में दिनांक 16-6-76 (दोपहर पूर्व) से नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद पर पुनः बहाल किया जाता है।

2. इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/594/60-प्रशा० (राज०)/1034, दिनांक 7-2-1976 को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

सं० 6/652/62-प्रशा० (राज०)/4273—श्री डी० पी० बारेकर को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में दिनांक 17-6-1976 से नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद पर पुनः बहाल किया जाता है।

2. इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/652/62-प्रशा० (राज०)/1069 दिनांक 10-2-1976 को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

पी० के० कौल,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 3 जुलाई, 1976

सं० सी० एल० बी० 1/1/6जी/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948, के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्वस्वीकृति में वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी एल बी० 1/1/6जी/71 दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम संख्या 20 (1) के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“सभी जिला उद्योग अधिकारी/  
सहायक जिला उद्योग अधिकारी गण”

दिनांक 5 जुलाई, 1976

सं० 18(1)/73-76/सी एल बी० II—वस्त्र (शक्तिचलित करण्यों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्वस्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी एल बी० II/बी दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 20(ए) के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“सभी जिला उद्योग अधिकारी/  
सहायक जिला उद्योग अधिकारी गण”

गौरी शंकर भार्गव,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 30 जून, 1976

सं० गो०-5105/707—श्री टी० केशवमूर्ति, सर्वेक्षक सलेक्सन ग्रेड को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (युप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में दिनांक 1 जून, 1976 (पूर्वान्तर) से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है तथा इनकी नियुक्ति सं० 21 पार्टी (दक्षिणी सर्किल) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, वैगलूर में की जाती है।

दिनांक 1 जुलाई, 1976

सं० स्था०I 1-5107/913-हि०—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या I-4979/913-ए८ दिनांक 6-8-1975 के अनुक्रम में श्री रमेश कुमार चमोली, हिन्दी अधिकारी, भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय, की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 30-9-1976 तक या जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

के० एल० खोसला, कर्नल  
भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1976

सं० फा० 11-17/75-ए-1—श्री कबीर कौसर, सहायक पुरालेखाधिकारी (पदक्रम 1) (प्राच्य अभिलेख) को दिनांक 1 जुलाई, 1976 से आगामी आदेश तक तदर्थ आधार पर पुरालेखाधिकारी (प्राच्य अभिलेख) नियुक्त किया जाता है। (श्री आर० आर० आग्रवाल, पुरालेखाधिकारी (प्राच्य अभिलेख) सेवा निवृति के स्थान पर)। यह तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये कोई अधिकारी नहीं प्रदान करती और वरिष्ठता के प्रयोजन तथा अगले ऊंचे पदक्रम (ग्रेड) में पदोन्नत होने की प्रक्रिया के लिये गिनी जाएगी।

श्रीनन्दन प्रसाद,  
अभिलेखा-निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1976

सं० ए-31014/1/76-स्थापना-I—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री एस० के० भट्टाचार्य को 14 जून, 1976 से इस निदेशालय में सहायक मुद्रण प्रबन्धक (बाह्य प्रचार) के पद पर स्थायी नियुक्ति करते हैं।

ए० एन० छिब्बर,  
अनुभाग अधिकारी  
कृते उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1976

सं० 22013/2/76-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के एक स्थायी अधिकारी श्री एच० पी० शर्मा को 5 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप निदेशक (प्रशासन) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 2 जुलाई 1976

सं० 1-18/69-एडमिन-1—श्रीमती एस० ज्ञारिया ने अधिवाष्ठिकी वय की प्राप्ति पर 31 मई, 1976 के अपराह्न को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जन स्वास्थ्य उपचर्या के सहायक प्रोफेसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 1-19/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने डा० रंजीत कुमार सिन्हा को 1 जून, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता, में जीव-भौतिकी के सहायक प्रोफेसर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए० 12023/3/76-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो के सहायक सम्पादक (हिन्दी तथा अंग्रेजी) श्री एन० जी० श्रीवास्तव को, श्री टी० के० पार्थसार्थी के स्थान पर जोकि विश्व स्वास्थ्य संगठन में प्रतिनियुक्ति पर है, 22 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी निदेशालय में सम्पादक के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

श्री एन० जी० श्रीवास्तव ने सम्पादक के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप 22 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न से इस निदेशालय में सहायक सम्पादक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-32013/1/76-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपचर्या अधिकारी श्रीमती आर० के० सूद

को 24-5-76 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी निदेशालय में उपचर्या सलाहकार के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्रीमती आर० के० सूद ने उपचर्या सलाहकार के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप 24-5-76 के पूर्वाह्न से इस निदेशालय में उपचर्या अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० ए-12023/6/76-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो के स्वास्थ्य शिक्षा ईकाइयन श्री एस० जी० लिपाठी को, श्री एन० जी० श्रीवास्तव के स्थान पर जो केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो में सम्पादक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, 15 जून 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी निदेशालय में सहायक सम्पादक (हिन्दी तथा अंग्रेजी) के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० ए-32012/1/76 (एस० जे०) [एडमिन-1]—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के सहायक प्रशासन अधिकारी श्री खिनपरमल भिमानी को 21 जून, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में भंडार अधिकारी (सामान्य भंडार) के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री खिनपरमल भिमानी ने भंडार अधिकारी (सामान्य भंडार) के पद पर उपनी नियुक्ति के फलस्वरूप 21 जून, 1976 के पूर्वाह्न से सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 8 जुलाई 1976

गृहिणी-पत्र

सं० ए-32014/2/76-एडमिन-1—इस निदेशालय की दिनांक 15 जून 1976 की अधिसूचना सं० ए-32014/2/76-एडमिन-1 में वी० आर० मनिकर के स्थान पर वी० आर० मेनकर पढ़ें।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1976

सं० 29-5/74-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती सावित्री शर्मा को 26 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 जून 1976

सं० 20/6 (5)/75-सी० जी० एच० एस०-1—अपनी सेवाओं की समाप्ति के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) आशा सेन, जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (तदर्थ), केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली, ने 25 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 5 जुलाई 1976

सं० 21/6(1)/75-सी० जी० एच० एस०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद पर कार्य कर रहे डा० आई० बी० शेठ के इस्तीफे की मन्जूरी के फलस्वरूप उन्होंने 31-10-75 (अपराह्न) को जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० 20/6(2)/75-सी० जी० एच० एस० 1—डा० बी० एन० बन्धोपाध्याय, जी० डी० ओ० ग्रेड 2 (तदर्थ) के इस्तीफे की मन्जूरी के फलस्वरूप उन्होंने 31 मई, 1975 (अपराह्न) को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली, के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

राजकुमार जिन्दल,  
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1976

सं० 38-10/74-सी० एच० ई० बी०—पत्तन स्वास्थ्य संगठन, मंडपम् कैम्प, से अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-II के एक अधिकारी डा० वाई० डी० जोगलेकर ने 4 मार्च 1976 के पूर्वाह्न को विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, बम्बई में सहायक विमान पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

दिनांक 5 जुलाई 1976

सं० 38-8/75-सी० एच० एस०-1—पत्तन स्वास्थ्य संगठन, मार्गेवा से अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड 1 के अधिकारी डा० एस० एन० सेन ने 24 मई, 1976 के पूर्वाह्न को विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, बम्बई, में विमान पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 38-8/75-सी० एच० एस०-1—अपने तबादले के फलस्वरूप जी० डी० ओ० ग्रेड 1 के निम्नलिखित अधिकारियों ने अपने नाम के शामे शंकित तारीख से पत्तन/विमान पत्तन

स्वास्थ्य संगठनों में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया । यहां कर लिया :—

नाम	पद का कार्यभार	पद का कार्यभार
	छोड़ दिया	ग्रहण कर लिया

1. डा० के० के०

केसवानी	14 जून, 1976 के अपराह्न को पत्तन स्वास्थ्य संगठन बम्बई, में चिकित्सा अधिकारी ।	16 जून 1976 के पूर्वाह्न को विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन बम्बई में उप विमान पत्तन स्वास्थ्य अधि- कारी ।
---------	---	---

2. डा० एच० एस०

मनश्मीनी	16 जून, 1976 के अपराह्न को विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन बम्बई, में उप विमान पत्तन स्वास्थ्य अधि- कारी ।	17 जून, 1976 के पूर्वाह्न को पत्तन स्वास्थ्य संगठन बम्बई, में चिकित्सा अधिकारी ।
----------	---	---

रवीन्द्र नाथ सिन्हा,  
प्रशासन एवं सतर्कता निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1976

सं० 20/1(26)/75-सी० जी० एच० एस०-1 (भाग-3)—  
डा० शिव शंकर शुक्ला, आयुर्वेदिक चिकित्सक, ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, से अपने तबादले के फलस्वरूप 4 नवम्बर, 1975 के अपराह्न को इस पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 13 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर के अधीन आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

दिनांक 23 जून 1976

सं० 20/6(2)/75-सी० जी० एच० एस०-1—डा० एम० आर० बन्धोपाध्याय, जी० डी० ओ० ग्रेड 2 (तदर्थ) ने अपने इस्तीफे की मन्जूरी के फलस्वरूप 18 अक्टूबर, 1975 (अपराह्न) को जी० डी० ओ० ग्रेड 2 के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

डा० जे० एम० पुरी  
उप-सहायक निदेशक

कृषि और सिंचाई मंत्रालय  
(ग्राम विकास विभाग)  
विपणन और नियोजन निदेशालय  
नागपुर, दिनांक 29 जून 1976

सं०फा० 3(13) 52/76-विकास-II—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 48 दिनांक 24 मई, 1954, सं० 173 दिनांक 29 दिसम्बर, 1954 और सं० 5 दिनांक 14 जनवरी, 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा श्री टी० जी० शहानी, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की तारीख से ऊन, दृढ़लोम और अजालोम, जिनका श्रेणीकरण क्रमशः ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1975, दूसरोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1973 और अजालोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1962 के उपबंधों के अनुसार किया जा चुका है प्रीर जिनका नियत उपरोक्त अधिसूचनाओं उपबंधों के अधीन है, के संबंध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एस० उप्पल,  
कृषि विपणन सलाहकार

भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बंदर्ह-400085, दिनांक 28 जून 1976

सं० 19(31)/75-पुस्टि० 2—भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियन्त्रक द्वारा निम्नलिखित सुरक्षा अधिकारियों को 1 मार्च, 1972 से मूल रूप से सुरक्षा अधिकारी के स्थाई पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्र०	नाम	प्रध्युक्ति
सं०		
1.	श्री इ० पी० पालमकोट	
2.	श्री पी० सी० सेखर	1-1-66 से भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी
3.	श्री डी० एन० चक्रवर्ती	भारतीय वायु सेना का भूतपूर्व सैनिक
4.	श्री एम० एम० गानू	1-1-66 से भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र का स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी

कुमारी एच० बी० विजयकर,  
उप-स्थापना अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बगलौर-560009, दिनांक 15 जून 1976

सं० 10/5(38)/76-सि०इ०प्र०(एच०)—मुख्य अधियंता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में निम्नलिखित अधिकारियों को इसी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पदों पर दिनांक 1 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	संभाला हुआ स्थायी पद, यदि वर्तमान पद कोई हो	संभाला हुआ
1.	श्री ए० जी० राजगोपालन	---	इंजीनियर एस० सी०
2.	श्री स्टीफन थाम्पस	---	इंजीनियर एस० सी०
3.	श्री के० आई० एलेंजर	---	इंजीनियर एस० सी०

पी० आई० य० नम्बियार  
प्रशासन अधिकारी-II  
कृत मुख्य अधियंता

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 जुलाई 1976

सं० ई० (1) 05167—वेधशालाओं के महानिवेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री बी० संकरैया को 21-6-76 के पूर्वाह्न से 17-9-76 तक नवासी दिन की अवाधि के लिए स्थानापन्न मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ श्री संकरैया नागपुर प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही हैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04285—वेधशालाओं के महानिवेशक, वेधशालाओं के उपमहानिवेशक (जलवायु विज्ञान व भू-भौतिकी) के पूना कार्यालय, के व्यावसायिक सहायक श्री एन० बी० परमेश्वरन को 22-6-76 के पूर्वाह्न से 24-7-76 तक तैतिस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ श्री परमेश्वरन वेधशालाओं के उप-महानिवेशक (जलवायु-भू-भौतिकी) के पूना कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणिन

मौसम विज्ञ

कृत वेधशालाओं के महानिवेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1976

सं० ए-38012/9/76 ई० एस०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास कार्यालय के श्री जी० सत्यनारायण, वरिष्ठ विमान निरीक्षक ने 31 मई, 1976 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 25 जून 1976

सं० ए०-32013/1/75-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक विमान निरीक्षकों को 3 जून, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	तैनाती स्थेशन
1.	श्री आर० के० पाल, सहायक विमान निरीक्षक, निरीक्षण कार्यालय, बंबई	निरीक्षण कार्यालय बंबई
2.	श्री एस० एल० बोहरा, सहायक विमान निरीक्षक, निरीक्षण कार्यालय, बंबई	„

सं० ए०-32013/1/75-ई० एस०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री टी० के० मैत्र, सहायक विमान निरीक्षक की जो कि इस समय बोकारो स्टील लि०, बोकारो में प्रतिनियुक्त पर है, 3 जून, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में विमान निरीक्षक के ग्रेड में प्रोफर्मा प्रोफेशनलिटी का अनुमोदन कर दिया है। श्री टी० के० मैत्र को बोकारो स्टील लि०, बोकारो में प्रतिनियुक्ति पर बने रहने की भी अनुमति दी जाती है।

सुरजीत लाल खंडपुर  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1976

सं० ए०-31013/2/76 ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० वी० जे० भट्ट को 1 मई, 1975 से नागर विमानन विभाग में स्थायी आधार पर विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32014/4/75-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने यह निर्णय किया है कि सर्वश्री जे० एल० विक्टर तथा एम० ए० पाल को जो कि श्रमशः 5-11-72 तथा 14-4-73 से तदर्थे आधार पर सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, 1 जुलाई 1957 से इस ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त माना जाए।

विश्व विनोद जौहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० 16/247/76-स्थापना-1—अध्यक्ष वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, गुजरात वन विभाग के सहायक वनपाल श्री सिंहौल अहमद को दिनांक 11 मई, 1976 के पूर्वाह्न से सहर्ष सहायक शिक्षक, केन्द्रीय वनराजिक महाविद्यालय, चन्द्रपुर, महाराष्ट्र, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 16/123/73-स्था०-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री वी० के० वाधवा जो इस समय उत्काळन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, देहरादून में यांत्रिकी अभियन्ता पद पर कार्य कर रहे हैं वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में सहायक अभियन्ता (यांत्रिकी) पद पर 1 अगस्त, 1972 से सहर्ष स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री आर० के० भट्टनागर,  
कुल सचिव,

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

## केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालिय

पटना, दिनांक 19 जून 1976

सं० 11(7) 5-स्था०/75/5924—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 101/76 दिनांक 19-3-76 जो मि० सं० 11(3) 75-स्था०/75/19950-80 दिनांक 20-3-76, द्वारा पृष्ठांकित किया गया तथा जिसके द्वारा दो (वरीय श्रेणी) निरीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय समान्य भत्तों के सहित के वेतनमान में अधिक्षक, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क श्रेणी 'ब' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया:—

क्रमांक	नाम	पदस्थापना के स्थान	कार्यभार करने की तिथि
1.	श्री दिगम्बर सिह	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, बनमनखोर, रेज।	10-5-76 (पूर्वाह्न)
2.	श्री गंगा प्रसाद	अधीक्षक, सीमा शुल्क, जयनगर।	23-4-76 (पूर्वाह्न)

ह० अपद्धनीय  
समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पाद, पटना

प्रमुख इंजीनियर का कार्यालय

केन्द्रीय लोक नियन्त्रण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1976

सं० 27-ई/एन० (1)/69-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक नियन्त्रण विभाग के अधिकारी वाद्यरूप (58 वर्ष) की आयु प्राप्त करने पर 30-6-76 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से नियुक्त हुए :—

नाम	वर्तमान पदनाम
सर्वश्री	
1. एस० के० नारायणन्	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), बम्बई विद्युत मण्डल-I, के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली ।
2. पी० सी० एस० सेमुएल	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), बम्बई विद्युत मण्डल-I के० लो० नि० विभाग, बम्बई ।
3. ए० एस० त्यागी	कार्यपालक, इंजीनियर (सतर्कता), के० का०, के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली । पी० एस० पारवानी प्रशासन उप-नियेशक नूसे प्रमुख इंजीनियर

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1976

सं० 74/आर० ई०/161/1—सर्वसाधारण के सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे के तिलक पुल (रहित) से इन्द्रप्रस्थ पावर हाउस (इन्द्रप्रस्थ पावर हाउस साइडिंग) (सहित) तक (संरचना सं० किलोमीटर 1533/41-जी०-42 जी० से संरचना सं० पी० एच०/75 तक) के खंड ने 25 किलो-वाट ए० सी० विजली कार्यण चालू करने के सिलसिले में सभी समपारों पर ऊंचाई के आमान लगाए गए हैं जिनकी सड़क तल से स्पष्ट ऊंचाई 4.67 मीटर (15 फुट 4 इंच) है, ताकि अत्यधिक ऊंचाई के सोडस को विजली युक्त कर्णण तारों के स्पर्श में आने अथवा डतना समीप आने से रोका जा सके, जिससे कोई खतरा हो। जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए ऊपर नियिष्ट ऊंचाई का ध्यान रखा जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क वाहनों में वहन किया जाने वाला भार किसी भी स्थिति में ऊंचाई गेज का उल्लंघन न करें।

अत्यधिक ऊंचाई वाले स्थान में निम्नलिखित खतरे निहित हैं :—

(1) ऊंचाई गेज उखाड़ फेंका जाएगा जिससे सड़क तथा रेलवे लाइन पर हादर हो जाएगी।

(2) वहन किया जाने वाला सामान या उपकरण (या स्वयं वाहन भी) श्रतिग्रस्त हो सकता है।

(3) सक्रिय सारों के साथ छू जाने या खतरे की परिधि में आ जाने के कारण आग लग सकती है जिससे जीवन को खतरा हो सकता है।

बी० मोहन्नी,  
सचिव, रेलवे बोर्ड

अनुसंधान अभियान और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 21 जून 1976

सं० ई० 11/ई० एस०/सी० एफ० एम०/ओ०/मंक—अ० अ० मा० सं०, लखनऊ के यान्त्रिक इंजीनियरी विभाग में कार्यरत वरिष्ठ वेतनमान के निम्नांकित स्थानापन्न सहायक नियेशक दिनांक 12-5-1973 से उसी नियुक्ति में स्थायी किए जाने हैं :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पदनाम	पद जिसके विषयीत स्थायी किया गया ।
1.	श्री डी० एन० बी० चेलम	सहायक निये० मा०/विशिष्ट	सहायक निये० अनु०/आयनेमो-मीटर परी-अण-1।
2.	श्री एच० गोपाल कुण्डन	सहायक निये० मा०/ चालन शक्ति-8	सहायक निये० अनु०/बोलन-परीक्षण-1।

रा० भी० साम्बूर्ति,  
महा नियेशक

मध्य रेल

महाप्रबंधक का कार्यालय

बम्बई बी० टी०, दिनांक 3 जुलाई 1976

सं० एच० बी० श्री०/220/जी०/1/भी० सी०—महाराजीय रेल यातायात सेवा के निम्नलिखित परिक्षाधीन अधिकारियों को परिवीक्षा-काल पूरा होने पर, अवर बे० मा०/थ्रेणी-1 सेवा में उनके नाम के सामने दी गई तिथि से स्थायी किया जाता है :—

नाम	दिनांक
(1) श्री टी० एस० सहोटे	30-11-73
(2) श्री के० के० गोखले	22-11-74

अमृत लाल गुप्त,  
महाप्रबंधक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी रजिस्ट्रार, का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) और मेसर्स लोड्स ट्रेडिंग एण्ड चिटफॉन्डम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्रहमदाबाद-380009, दिनांक 30 जून 1976

सं०/1959/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 72/1975 में ग्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 3-5-1976 के आदेश द्वारा मेसर्स हेवन बेनीफीट एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) और मेसर्स हेवन बेनीफीट एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 30 जून 1976

सं०/1754/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 71/1975 में ग्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 3-5-1976 के आदेश द्वारा मेसर्स हेवन बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) और मेसर्स कुमार बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 30 जून 1976

सं०/1581/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 69/1975 में ग्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 3-5-1976 के आदेश द्वारा मेसर्स कुमार बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) और मेसर्स सयना बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 30 जून 1976

सं०/1878/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 54/1975 में ग्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 26-3-1976 के आदेश द्वारा मेसर्स सयना बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) और मेसर्स पारूल फाइनासीयर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 30 जून 1976

सं०/1469/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 56/1975 में ग्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 19-3-1976 के आदेश द्वारा मेसर्स पारूल फाइनासीयर्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) और मेसर्स पनकान फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 30 जून 1976

सं०/1782/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 2/1976 में ग्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 3-5-1976 के आदेश द्वारा मेसर्स पनकान फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गांधा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स जी० भागचन्द्राणी चिट फंड

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 3 जूलाई 1976

सं० सात्यिकी/1217/—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदेश यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर जी० भागचन्द्राणी चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दरिश नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विष्टित कर दी जावेगी।

राम दयाल कुरील,

कम्पनियों का रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1913 और दि माझुकरे जनानुकूल निधि लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 15 जूलाई 1976

सं० 1742/एस० 247 (5)लीक्वी/76—कम्पनी अधिनियम, 1913 की धारा 247 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदेश द्वारा सूचना दी जाती है कि दि माझुकरे जनानुकूल निधि लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

ह० अपठनीय

कम्पनियों का उप रजिस्ट्रार

आयकर आयुक्त का कार्यालय

कोचीन-16, दिनांक 7 जून 1976

आयकर

सी० सं० 2-एस०/गज०/कोण०/76-77—निम्नवर्ती आयकर निरीक्षकों को उनके कार्य भार लेने की तारीख से और आगामी आदेशों तक रु० 650-30-740-3-5-810-ई०बी०-3-5-880-40-1000-ई०बी०-40-1200, के बेतन मान में आयकर अधिकारी, श्रेणी (2) के पद पर स्थानापन रूप से काम करने के लिए नियुक्त किए गए :—

(1) श्री यू० राधव मेनोन,

आयकर निरीक्षक (आन्तरिक लेला-परीक्षा),  
आयकर सरकार-II कालिकट।

(2) श्री बी० बी० धर्मपालन,

आयकर निरीक्षक,  
स० नि० सम्पदा शुल्क के कार्यालय,  
तिचुर।

2. यह नियुक्त बिलकुल अरण्यापी और सामयिक है जो किसी सूचना के बिना ही समाप्त करने लायक है।

प० सदगोपन, आयकर आयुक्त,

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-934 से 941(433) 1-  
न/75-76—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दूसरे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 64-बी, प्लाट नं० 4 और 8, टी० पी० एस० 10 है, जो रखियाल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इन्दिरा बेन इन्द्रपदन भट्ट, 23-बी, आहमदाबाद मंडल सोसायटी, अहमदाबाद-6 । (अन्तरक)

2. धपल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट शोनसं एसोसियेशन, 3-बी, जादव चैम्बर्स, आश्रम रोड, अहमदाबाद की ओर से :—

(i) प्रमुखः श्री बालुभाई कानजीभाई पटेल

(ii) सेक्रेटरी : श्री नटवरलाल उदयशंकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो जाए हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

खुली जमीन वाले प्लाट जिनका क्षेत्रफल 1,000 वर्ग गज है और जिनका एफ० पी० नं० 64 बी (भाग), टी० पी० एस० 10 हैं और जो दो निम्नलिखित बिक्री दस्तावेजों द्वारा बिक्री किये गए हैं :—

प्लाट नं०	क्षेत्रफल	रजि० नं० और तारीख
4	500 वर्ग गज	17, 421/15-11-75
8	500 वर्ग गज	17, 424/15-11-75

जै० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

दिनांक : 3-7-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-878 (434) 1-1/75-76  
—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 582 और 583, एस० पी० नं०  
3, टी० पी० 3 है, जो नगरी आई होस्पिटल के निकट, मिठाखली  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के  
अधीन 15-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 (i) श्री नवनीतलाल साकरलाल शोधन (ii) नंद-  
किशोर साकरलाल शोधन, (iii) श्री सौरभ नवनीतलाल शोधन  
(iv) श्री हर्ष नवनीतलाल शोधन—एलिसब्रिज, अहमदाबाद  
(v) श्री काश्यच आनंदीभाई ठाकोर—प्रितमनगर सोसायटी,  
अहमदाबाद (vi) श्री हर्षवदन हठीसिंग शाह—जतन फ्लैट्स,  
ला कालेज के पीछे, अहमदाबाद (अन्तरक)

2 (i) श्री राजेश हरमुखलाल पापावाला  
(ii) श्रीमति पद्मा हरमुखलाल पापावाला, 1676, सेवक-  
नी पाड़ी, खाड़िया, अहमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीनशाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 519 वर्गगज है,  
जिसका एफ० पी० नं० 581 और 583, एस० पी० नं० 3, टी० पी०  
एस० 3 है, और जो नगरी आई होस्पिटल के निकट, मिठाखली  
अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-7-76  
मोहूर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद I नांक 3 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-877 (435)/1-1/75-

76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य बाजार 25,000/- रुपये है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य बाजार 25,000/- रुपये है

और जिस की सं० ए० पी० नं० 582, एस०पी० नं० 4, टी० पी० एस० 3 है, जो नगरी आई हॉस्पिटल के पास, मिठाखली, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भरतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

15-11-75

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री नवनीतलाल साकरलाल शोधन (ii) श्री नंद किंगोर साकरलाल शोधन (iii) श्री हर्ष नवनीतलाल शोधन (iv) श्री सौरभ नवनीतलाल शोधन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद (v) श्री कश्यप आनंदीभाई ठाकोर-प्रितम नगर सोसायटी, अहमदाबाद (vi) श्री हर्षवन हठीसिंग शाह-जतन फ्लेट्स ला कलेज के पीछे अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री फूलचंद मेघजीभाई शाह (एच० य० एफ०), की ओर से :—

श्री फूलचंद मेघजीभाई शाह खड़ायता कालोनी के पीछे, एलिसब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक खुली जमीनबाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 514 वर्ग गज है तथा जिसका एफ० पी० नं० 582, एस० पी० नं० 4, टी० पी० एस० 3 है और जो नगरी आई हॉस्पिटल के पास, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 3-7-76  
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई, 1976

निदेश सं० ए० री० क्य० 23-I-1077(436) / 1-1/

75-76 —यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 582, एस० पी० नं० 5, टी० पी० एस० 3 है,  
जो नगरी आई होस्पिटल के पास, मिठाखाली, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंकित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन  
15-11-575

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 (i) श्री नवनीतलाल साकरलाल शोधन (ii) श्री नंद-  
किशोर साकरलाल शोधन (iii) श्री सौरभ नवनीत लाल शोधन  
(iv) श्री हर्ष नवनीतलाल शोधन—एलिस ब्रिज, अहमदाबाद  
(v) श्री कश्यप आनंदीभाई ठाकोर—प्रितम नगर सोसायटी,  
अहमदाबाद ।

(vi) श्री हर्ष बदन हठीसिंग शाह—जतन फ्लेट्स ला कालेज  
के पीछे, अहमदाबाद (प्रन्तरक)

2. (i) श्री रजनीकांत कनैयालाल शाह (ii) श्री महेश  
कनैयालाल शाह सहजीवन सोसायटी, उस्मानपुरा,  
अहमदाबाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला ब्लाट जिसका क्षेत्रफल 514 वर्ग गज  
है, जिसका एफ पी० नं० 582, एस० पी० नं० 5, टी पी० एस०  
3 है और जो नगरी आई होस्पिटल के पास, मिठाखाली, अहमदाबाद  
में स्थित है ।

जै० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 3-7-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1078 (437)/1-1/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 64-बी, प्लाट नं० 2 और 6, टी० पी० एस० 10 है, जो रखियाल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. धरणीबन राजेशभाई भट्ट, 23-ब्रह्मण मित्र मंडल, सोसायटी, अहमदाबाद-6 (अन्तरक)

2. धबल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट ओनस एसोसिएशन, 3-बी, जादव चैम्बर्स, आश्रम रोड, अहमदाबाद की ओर से :—  
प्रमुख—श्री बालुभाई कानजीभाई पटेल,  
सेन्ट्रली—श्री नटवरलाल उदयशंकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाले प्लाट जिनका क्षेत्रफल 1,000 वर्गगज है और जिनका एफ० पी० नं० 64-बी (भाग), टी० पी० एस० 10 है और जो दो निम्नलिखित बिक्री दस्तावेजों द्वारा विश्री किये गए हैं :—

प्लाट नं०	क्षेत्रफल	रजि० नं० और तारीख
2	500 वर्ग गज	17,423/15-11-75
6	500 वर्ग गज	17,425/15-11-75

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद ।

तारीख : 3-7-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

निवेश सं० ए० सी० ब्य० 23-I-1079 (438)/1-1/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० एफ० पी० नं० 64-बी, प्लाट नं० 3 और 7, टी० पी० एस० 10 है, जो रखियाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. राजेश भाई इन्द्रवदन भट्ट, 23-ग्राह्यण मित्र मंडल सोसायटी, अहमदाबाद-6 (अन्तरक)

2. ध्वल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट ओनर्स एसोसियेशन, 3-बी, जादव चैम्बर्स, आश्रम रोड, अहमदाबाद की ओर से:—

(i) प्रमुख :—श्री बालुभाई कानजीभाई पटेल,  
(ii) सेक्रेटरी :—श्री नटवरलाल उदयशंकर

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों का द्वारा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन वाले प्लाट जिनका क्षेत्रफल 1,000 वर्ग गज है और जिनका एफ० पी० नं० 64-बी (भाग), टी० पी० एस० 10 है और जो दो निम्नलिखित बिक्री दस्तावेजों द्वारा बिक्री किये गये हैं:—

प्लाट नं०	क्षेत्रफल	रजि० नं० और तारीख
3	500 वर्ग गज	17,420/15-11-75
7	500 वर्ग गज	17,418/15-11-75

जे० कथूरिया  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 3-7-76

मोहर :

प्रह्लप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा

269 घ ( 1 ) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )

अर्जन रेंज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद-I, दिनांक 3 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०० 23-I-1080(439)/1-1/  
75-76 :—यतः मुझे, जे० कथूरियाआयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) ( जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक हैऔर जिसका सर्वे० नं० 192 एफ० पी० नं० 229, एस० पी०  
नं० 3, टी० पी० एस० 14 है, जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है  
( और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16 ) के अधीन  
17-11-75को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक ( अन्तरकों ) और अन्तरिती ( अन्तरितियों ) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—( क ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या( ख ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ( 1922  
का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 ( 1957 का 27 ) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा ( 1 ) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3-176 GI/76

1. ( i ) श्री दीपक सर्वोत्तमभाई हठी सिंग,  
शाहीबाग,  
अहमदाबाद  
( अन्तरक )

2. श्री सोमाभाई कुबेरदास पटेल, उमियानगर सोसायटी,  
असाखा, अहमदाबाद  
( अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- ( क ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- ( ख ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है  
श्रीर जिसका सर्वे० नं० 192, एफ० पी० सं० 229, एस० पी०  
नं० 3, टी० पी० एस० 14 है और जो शाहीबाग अहमदाबाद में  
स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद ।

तारीख : 3-7-76

मोहर ।

प्रस्तुप्राद० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा

269-घ ( 1 ) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1081( 440)/1-1/75-

76 :—यतः मुझे, जे० कथुरिया

आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 192, एफ० पी० नं० 229, एस० पी० नं० 1, टी० पी० एस० 14 है, जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16 ) के अधीन 17-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक ( अन्तरकों ) और अन्तरिती ( अन्तरितियों ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ( 1957 का 27 ) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-क के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

( 1 ) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री हीपकभाई सर्वोत्तमभाई हठीसिंग,  
(ii) श्री जनक सर्वोत्तमभाई हठीसिंग, शाहीबाग,  
अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री नारणभाई ईश्वरभाई पटेल, मोहनबाल गांधी पार्क,  
सोसायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 192, एफ० पी० नं० 229, एस० पी० नं० 1, टी० पी० एस० 14 है और जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथुरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद-1

दिनांक : 3-7-76

मोहर :

प्ररूप श्राद्ध० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1082 (441)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जै० कथूरियाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैश्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 192, एफ० नं० 229, एस० पी० नं०  
2, टी० पी० एस० 14 है, जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है  
(श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 17-11-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. (i) श्री दीपक सर्वोत्तमभाई हठीसिंग,  
(ii) श्री जनक सर्वोत्तमभाई हठीसिंग, शाहीबाग,  
अहमदाबाद  
(अन्तरक)2. श्री जीवाभाई अमताराम पटेल, उमियानगर सोसायटी,  
असारवा, अहमदाबाद,  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय ये दिया  
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीनबाला लाट जिसका क्षेत्रफल 440 वर्ग गज है  
और जिसका सर्वे नं० 192, एफ० पी० नं० 229, एस० पी०  
नं० 2, टी० पी० एस० 14 है और जो शाहीबाग अहमदाबाद  
में स्थित है।जै० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 3-7-76

मोहर:

प्रलम्ब आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य००-२३-१-१०८३(४४२) /१-१/  
८५-७६—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० ५८२, एस० पी० नं० ६, टी० पी० एस० ३ है, जो नगरी भाई होस्पिटल के पास, मिठाखली, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 15-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (i) श्री नवनीतलाल साकरलाल शोधन (ii) श्री मंदिकिशोर साकरलाल शोधन (iii) श्री सौरभ नवनीतलाल शोधन (iv) श्री हर्ष नवनीत लाल शोधन—एलिसेंट्रिज, अहमदाबाद (v) श्री कश्यप आनंदीभाई ठाकोर—प्रितमगर सोसायटी, अहमदाबाद

(vi) श्री हर्षवदन हठीसिंग शाह—जतन फ्लेट्स, लो कालेज के पीछे, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (i) श्री जयन्तीलाल जीवनलाल सोनी (ii) श्रीमति मंजुलाबेन भणीलाल सोनी समयेश्वर फ्लेट्स, आंबावाडी, अहमदाबाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीनबाला लाइट जिसका क्षेत्रफल ५०५ वर्ग गज है और जिसकी एफ० पी० नं० ५८२, एस० पी० नं० ६, टी० पी० एस० ३ है और जो नगरी अई होस्पिटल के पास, मिठाखली, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 3-7-76

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1084 (443)/1-1/  
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 64-बी, प्लाट नं० 1 और 5,  
टी० पी० एस० 10 है, जो रखियाल, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 15-11-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इन्द्रकन अंबालाल भट्ट, 23, ब्राह्मण मिल मंडल  
सोसायटी, अहमदाबाद - 6  
(अन्तरक)

2. धवल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट ओनर्स एसोसिएशन, 3-वी जादव  
चौम्बर्स, आश्रम रोड, अहमदाबाद की ओर से :—  
प्रभुख :—श्री बालुभाई कानजीभाई पटेल,  
सेन्ट्रेटरी :—श्री नटवरलाल उदयशंकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाले प्लाट जिनका क्षेत्रफल 1,000 वर्ग गज है  
और जिनका एफ० पी० नं० 64-बी (भाग), टी० पी० एस० 10  
है और जो दो निम्नलिखित बिश्री दस्तावेजों द्वारा बिश्री किये गये  
हैं :—

प्लाट नं०	क्षेत्रफल	रजि० नं० और तारीख
1	500 वर्ग गज	17, 419/15-11-75
5	500 वर्ग गज	17, 422/15-11-75

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1976

निदेश सं० 427/ए० सी० क्य० 23-629/13-1/75-76-  
यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन सी० एस० नं० 1584/वी आर सर्वे  
नं० 2367/सी एंड डी है तथा जो सरदार गंज रोड, आनंद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात्:—

1. श्री हर्षदकुमार बिठलभाई पटेल स्वयं तथा गोपालदास  
बिठलदास पटेल के कुल मुख्तार की हैसियत में कांग्रेस नगर, नागपुर,  
महाराष्ट्र (अन्तरक)

2. के० योगिता ट्रेडर्स मार्फत आई० एस० पटेल एन्ड क०  
लीमडावाला हास्पीटल के सामने, आनंद की ओर से उसके सभी :

(1) मोहन लाल कालीदास शेठ, कृष्ण सोसायटी, आनंद

(2) चंद्रभाई कालीदास, करमसद, ता० आनंद

(3) मंजुलाबेन आई० पटेल स्वयं तथा सगीर हितेश कुमार  
आई० पटेल और योगेश कुमार आई० पटेल के बाली की हैसियत में  
मा० आई० पटेल एंड क० लीमडावाला हास्पीटल के सामने

(4) पटेल रावजीभाई चतुरभाई

(5) पटेल व्यमोश चन्द्र रावजी भाई, आनंद

(6) सुरेखा बेन एलियास शांता बेन रावजीभाई पटेल  
पूर्णिमा पार्क को० हा० सोसायटी आनंद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जिसका सी० एस० नं० 1584/वी० आर० सर्वे नं०  
2367/सी एंड डी० पैकी एफ० पी० नं० 105/1 कुल माप 1154.23  
11 वर्ग मीटर है तथा जो सरदार गंज रोड, आनंद में स्थित है जैसा  
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आनंद के 21-11-75 के रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 1968 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 5-7-76

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-5, बम्बई  
 बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1976  
 निर्देश सं० अ० ई० 15/510/34/76—अतः मुझे, व्ही०

आर० अमीन सहायक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दूसरे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 11, सं० नं० 31, हि० नं० 1 (अंग) है, जो धाटकीपर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

21-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भवन पर्वत पटेल और अन्य (अन्तरक)  
 2. सोमेश्वर प्रेमिसिस की० आ० हा० स० लि० (अन्तरिती)

(3)

सं०	मंजिल	नाम
दुकान सं० 1	तल	श्री जी० एस० पंडे
,, 2	,,	श्री भाडनलाल परणुराम खानचंदानी
,, 3	,,	श्री भंगजीलाल श्रीलाल मद्राचा और श्री भंगजीलाल चंगीराम चोराडीया
,, 4	,,	श्री सोनभा हूरीभन नोथेन और श्री गणपत हूरीभाऊ नोथेन

सं०	मंजिल	नाम
,, 5	,,	श्री विशांज मलसिंह गाला
,, 6	,,	श्रीमती सेदावेगम नाकब अहमद और श्री नाकब अहमद अहमद बक्ष
,, 7	,,	मेसर्स पी० के० पटेल और सन्स
,, 8	,,	श्री यनरालया हमाया कोह
फ्लैट 9	,,	श्री बीपीनचंद्र अचरतलाल देसाई
,, 10	पहला	श्री शाह गामेदलाल चंद्रलाल और श्रीमती शाह सुमनबेन गामादलाल
,, 11	,,	श्रीमती बकुलाबेन प्रफुल शाह और डा० प्रफुल हरीलाल शाह
,, 12	,,	श्री विनोद मोहनलाल चितालीया और श्री किरीटकुमार मोहनलाल चितालीया
,, 13	,,	श्री अर्जीत कुमार पोरेचा
,, 14	द्वितीय	श्री अनंते हाकीमचन्द शाह
,, 15	,,	श्री विलासबेन जयंतीलाल शाह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)————

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बहुतर बम्बई में बम्बई उपनगर जिला के रजिस्ट्रेशन उपजिला बांद्रा में घाटकोपर में आग्रारोड पर स्थित खाली प्लाट की जमीन और उस पर बनी बिल्डिंग सहित जमीन का वह तमाम भाग अथवा खंड, नवनीतलाल नियालचंद और अन्य की प्राइवेट स्कीम की प्लाट सं० 11 है, और उसकी सर्वेक्षण संख्याएँ 31 हिस्सा नं० 1 (पार्ट) भी है, वह पैमाइश में 262 वर्गगज अर्थात् 219.15 वर्गमीटर या उसके समकक्ष अर्थात् और इसका सर्वेक्षण संख्या 162 हिस्सा नं० 6 (पार्ट) है, वह पैमाइश में 413 वर्गगज अर्थात् 345.30 वर्गमीटर है, जिनका पैमाइश में कुलयोग 675 वर्गगज अर्थात् 564.36 वर्गमीटर या उसके करीब बैठता है और जो इस प्रकार से विश्वास हुआ है कि पूर्व में ऊपर कही गई प्राइवेट स्कीम की 30 फुट चौड़ी सड़क है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्राइवेट स्कीम का प्लाट सं० 10 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर ऊपर कही गई प्राइवेट स्कीम का प्लाट सं० 12 है और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर ऊपर कही गई स्कीम का 30 फुट चौड़ी सड़क है

और पुनः ऊपर कही गयी सङ्केत पर उपरोक्त स्कीम की प्लाट सं० 7 है ।

ब्ही० आर० अमीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रजन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 7-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रजन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० अ० ई० 5/521/45/75-76—अतः मुझे, ब्ही० आर० अमीन सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 40 सेक्टर नं० 4 है, जो चेंबूर छेड़ा-नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-10-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स ब्ही० बी० पटेल अंड क० (अन्तरक)

2. ए० संगमेश्वरन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में, बम्बई नगर एवं उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिला तथा उपजिला में चेम्बूर में स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खेड़ जो कि छेड़ा नगर, सेक्टर-4 को प्लाट सं० 40 है तथा पुराना सर्वेक्षण संख्या 316 और नया सर्वेक्षण सं० 320 का भाग है और पैमाइश में 534 वर्गगज अर्थात् 446.49 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है, वह इस प्रकार से घिरा हुआ है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्राप्ती है जिसका प्लाट सं० 39 सेक्टर सं० 4 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्राप्ती है जिसका सेक्टर सं० 4 में प्लाट सं० 41 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर अंशतः पश्चिम गाँड़न के लिए म्युनिसिपल रिजर्वेशन है और अंशतः सैकन्डी स्कूल के लिए म्युनिसिपल रिजर्वेशन है और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर 30 फुट चौड़ी सङ्केत है।

ब्ही० आर० अमीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रजन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 12-7-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० सं० ए० सी० क्य० ३३० जे० न० १७५/ के० आर०/७५-७६—यतः, मृम्मे, बी० बी० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० डोर नं० 40-8/2—21 से 24 कलानगर है, तथा जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपाधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
4—176GI/76

1. श्रीमती कोडालि कृष्ण ज्योति औद्दी, विजयवाडा (अन्तरक)

2. श्रीमती बल्लूरिपल्लि विजय लक्ष्मी, विशाखापट्टनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री प्राधिकारी से 15-11-75 पाक्षिक अंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3337/75 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बी० बी० सुब्बाराव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जम रेंज काकिनाडा

तारीख : 2-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- श्रीमती कोडालि कृष्ण ज्योति चौदरी, विजयवाडा  
(अन्तरक)
- श्रीमती बल्लरिपल्लि ललित कुमुमाम्बा, मद्रास-17  
(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० सं० ए० सी० क्य०/331 जे० नं० 173/क० आर०/75-76—यतः, मुझे, बी० बी० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसको सं० डोर नं० 40-8/2-21 से 24 है, तथा जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से 15-11-75 पाकिस्तान में पंजीकृत वस्तावेज नं० 3334/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बी० बी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 2-4-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. वी ईस्ट कोस्ट फूड प्रोडक्ट्स लि०, ताडेपल्लि  
(अन्तररक्त)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आर० ए सी क्य० 332 जे० न० 251/जी० टी०

आर०/75-76—यतः, मुझे, बी० वी० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैश्रीर जिसकी सं० पता नं० 157, पा० 347, 198, 347/1  
है, तथा जो ताडेपल्लि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के  
अनुसरण में 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—2. विनोद साल्वेक्ट्राक्ट्स (पी०) लि०, ताडेपल्लि  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री प्राधिकारी से 15-12-75 पाकिक अंत में  
पंजीकृत वस्तावेज नं० 5782/75 में निर्गमित अनुसूची  
सम्पत्ति।बी० वी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 2-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 जून 1976

निर्देश सं० एसीक्य० 336/ज० नं० १ (176, 177, 178, 180 और 181) 255, 256 और 257/क० आर०/ 75-76—यह, मुझे, बी० बी० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-4-5 विद्याधरपुरम् है, तथा जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ताडिसेट्टि कृष्ण मूर्ती, विजयवाडा  
(2) श्री मोहम्मद घोसे, विजयवाडा । (अन्तरक)
- (1) श्री गद्दम सुब्बा राव पुत्र जी० वेंकट सुब्बाराव, विजयवाडा ।  
(2) श्रीमती गद्दम सुब्बरतनम पत्नी जी० सुब्बाराव, विजयवाडा ।  
(3) श्रीमती नूकला आनन्दपुरनमा पत्नी सुब्बाराव विजयवाडा ।  
(4) श्री नूकला नागेश्वराव पुत्र सुब्बाराव, विजयवाडा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तादारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से 15-11-75 और 15-12-75 पाक्षिक अन्त में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3344/75, 3343/75, 3572/75, 3573/75, 3587/75, 3586/75, 3588/75 और 3589/75 में निगमित अनुसूची सम्प्रति ।

बी० बी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 5-6-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 जून 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी न० एन० 339 जे० न० 216/  
ई०/9/75-76—यतः, मुझे, बी० बी० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एस न० 64,61/1सी, आंतर 61/डी 5-48 3/4  
सी वाई है, तथा जो दीविलिंक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी  
के कार्यालय, बाजमंडि में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1975  
को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्ववित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और 'अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप,  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (1) श्रीमती सीही रंगाराऊ  
(2) कांडिपाल सत्यावापाण्य  
(3) गोली सुब्बाराऊ  
(4) गोली आपानायदूरिदूरि  
(5) राखापूरी बेकट रामराऊ,  
(6) चिपूकूरि लक्ष्मी राज्याय  
(7) आने० प्रसूखान (अन्तरक)

2 (1) श्रीमती वेणी विराजू  
(2) दासनी सत्यवापणा मृति (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववित व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से 15-11-75 पाक्षिक अंत  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4338/75 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 5-6-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति ३१० ई० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 18 जून 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० ३४०—यतः, मुझे, बी० बी० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दस्तावेज नं० ८-७-७१ है, जो नरसत्य अग्रहारय भीमवरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमवरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आल्लूरि नरसिंह राजू चिं वेंकट नरसिंह राजू, नरसत्य अग्रहारम, भीमवरम (अन्तरक)

2. श्रीमती कलिन्दिटी बंगाररय प० सुर्यनारायण राजू, वेंकटापुरम, लंककोडेसु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त क्षमितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-11-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2234/75 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 18-6-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1. श्री वृषभगुप्त नारायण मूर्ति पि० पुष्पोत्तम, रिंग रोड  
गुंटूर  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना2. श्रीमती डा० दासीर मुसीला प: वेंकटरत्नम जि० पि०  
ए० : श्री तेल्ला कृष्णम्मा चौकी, गुंटूर  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 2 जुलाई 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 342—यतः, मुझे, बी० वी० सुम्माराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4-18-42 है, तथा जो रिंग रोड, गुंटूर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
7-11-1975को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-11-75 में  
पंजीकृत दस्तावेज न० 5504/75 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।बी० वी० सुम्माराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 2-7-1976

मोहर :

प्रूप आई०टी०एल०एन—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 5 जुलाई 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 344—यतः, मुझे, बी० वी० मुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4,5-6-17 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पायागाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त 'अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात्:—

1. श्री चलुवादि मुब्बाराव, काकिनाडा (अन्तरक)
2. श्री नेति तिरुपतव्या, काकिनाडा (अन्तरिती)
3. श्री आद्र सी फुड्स काकिनाडा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत 30-11-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6372/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बी० वी० मुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 5-7-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा,

काकिनाडा, दिनांक 5 जुलाई 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 345, यतः, मुझे बी० बी० सुब्बा राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 45-6-17 है, तथा जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—176 GI/76

1. श्री चलुवाडि सुब्बाराव, काकिनाडा (अन्तरक)
2. श्रीमती नेति नारयणम्मा, काकिनाडा (अन्तरिती)
3. श्री आद्र सी० फुडस काकिनाडा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-11-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6371/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बी० बी० सुब्बा राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 5-7-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निर्देश सं० III-189/अर्जन/76-77/907—यतः, मुझे,  
अजय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी वस्तावेज सं० 12876 है, तथा जो गिरधारी  
मालाडी लेन, सूजागंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण स्पृह से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 10-11-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती फ़ारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त, अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की  
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अंगूरी देवी के जरीबाल जौजे श्री शीलाल  
के जरीबाल, मुहूला—चुनीहारी टोला, पौ०/जिला—भागलपुर  
(अन्तरक)

2. श्री मनोज कुमार झुनझुनवाला (नावालिंग) वल्द श्री  
राम प्रसाद झुनझुनवाला, सा०—दहीटोला लेन, सूजागंज,  
भागलपुर  
(अन्तरिती)

3. अन्तरक जो ऊपर दिया गया है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में जिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो 1583 वर्ग फीट जमीन पर, गिरधारी  
मालाडी लेन, सूजागंज भागलपुर में हैं तथा जिसका वर्णन  
वस्तावेज सं० 12876 दिनांक 10-11-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-7-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।  
पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश सं० III -190/अर्जन/76-77/908—मत: मुझे  
अर्जय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक है

और जिसकी म्यू० हो० सं० 90 है, तथा जो खंजरपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-11-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डा० काली चन्द्र मुखर्जी वल्द श्री अटल बिहारी  
मुखर्जी, सा० एस० धाना-सुल्तानगंज, जिला-भागलपुर (अन्तरक)

(2) श्री आत्मा राम रामूका वल्द श्री श्याम सुन्दर रामूका,  
सा०/धाना-सुल्तान गंज, जिला-भागलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
लामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन रकवा 11 कट्टा 16 धूर जो खंजरपुर, सुर्यनारायण  
सिंह लेन भागलपुर में है, म्यू० हो० सं० 10 बांड सं० 1 है तथा  
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 12832 दिनांक 6-11-75 में  
पूर्ण है।

अर्जय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना।

तारीख: 7-7-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश सं० 111-191/अर्जन/76-77/909—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी हो० सं० 23 'क' है, तथा जो आर० बी० सुखराज  
रोड, भागलपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भागलभूर में रजिस्ट्रीकर्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, तथा पाया गया निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति—

(1) श्री सरदार मोहन्दर सिंह, 166-पाटलिपुत्रा कोलोनी,  
पटना। (अन्तरक)

(2) श्रीमती हरजिन्वर रेखी जौजे श्री एस० एस० रेखी,  
आवासीय अभियन्ता। बिहार बिद्युत बोर्ड, रांची। (अन्तरिती)

(3) मिलिंटी इस्टेट अफिसर, बिहार एवं उडीसा सर्किल,  
दानापुर कैन्टा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

दो मंजिला मकान रकवा 2310 वर्गफीट, हो० सं० 23 क,  
वा० सं०-1 औ आर० बी० सुखराज रीड भागलपुर में है तथा  
जिसका वर्णन वस्तावेज सं० 12757 दिनांक 1-11-75 में पूर्ण  
है।

अजय कुमार सिंहा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 7-7-76

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निवेश सं० III-192/अर्जन/76-77/910—यतः भुजे अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी हो० सं० 2, 3, 10 एवं 12 है, तथा जो महेशपुर बम्बई में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख 11-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नरेन्द्र नारायण बहद श्री बहादुर नारायण सा० लाल कोठी, थाना, कोतवाली, जिला-भागलपुर (अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी प्रसाद पाल बल्द श्री साहदेव पाल सा० पो० मोहद्दीनगर, जिला भागलपुर श्री लखन लाल मंडल, सुन्दर मंडल, श्रीमती सरोजनी देवी, श्री महावीर दास। (अंतरिती)

(3) अन्तरक जो ऊपर दिया गया है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 8 बीघा जिसमें आम का पेड़ है तथा जो महेशपुर अम्बई, थाना, मोजाहिदपुर जिला भागलपुर में है, हो० सं० 2, 3, 10 एवं 12 वार्ड सं० 8 तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 12923 विनांक 11-11-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 7-7-76।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश सं० III-193/अर्जन/76-77/911—यतः मुझे  
अर्जय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी प्लॉट सं० 115ई० है, तथा जो श्री कृष्णपुरी में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जयन्ती देवी जौजे श्री कामेश्वरी सहाय सा० एवं पोस्ट-खुरहा, थाना, तरारी, जिल्ला-भोजपुर (अन्तरक)

(2) श्री दिनेश्वर सहाय बल्द श्री कामेश्वरी सहाय, सा० एवं पोस्ट खुरहा, थाना तरारी जिल्ला भोजपुर (अंतरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन रकवा 494.55 वर्ग गज सा० श्रीकृष्णपुरी थाना फूलबारी, जिला पटना, धा० सं० 34, प्लौट सं० 115ई० है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 11219 दिनांक 29-11-75 में पूर्ण है।

अर्जय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटनातारीख : 7-7-76  
मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश सं० III-194/अर्जन /76-77/912—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी हो० सं० 104 है, तथा जो साहेबगंज छपरा टाउन  
में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय सारन में रजिस्ट्रीकर्स  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-11-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, [अर्थात्:—

(1) श्री बाबू घरमरन साह वल्द स्व० शिव गुलाम साह  
साह महल्ला साहेबगंज, छपरा टाउन जिला सारन (अन्तरक)

(2) श्री राम नाथ प्रसाद वल्द स्व० हीराराम, साह एवं०  
थाना-मीरगंज, जिला-गोपाल गंज (अन्तरिती)

(3) अन्तरक जो उपर दिये गये हैं। (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन रक्खा 7 कट्ठा, साह साहेबगंज, छपरा टाउन, वा०  
सं०-1 हो० सं० 104 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 13392  
दिनांक 13-11-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

तारीख: 7-7-76

मोहर:

प्रूप्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना

पटना, दिनांक 7 जूलाई 1976

निदेश सं० III-195/अर्जन/76-77/913—यतः मुझे  
अर्जय कुमार सिंहाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० दस्तावेज सं० 12531 है, तथा जो राजवारी  
रोड, शरिया में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 11-11-75को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रेष्ठ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती बिन्देश्वरी देवी जोजे श्री बैजनाथ प्रसाद वर्माल सा० शरिया, जिला धनबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्रीदेवी जोजे श्री राम निवास मोदी सा० मेनरोड, शरिया जिला-धनबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 2½ कटठा के साथ मकान वो मंजिला जो  
राजवारी रोड शरिया में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं०  
12531 दिनांक 11-11-75 में पूर्ण है।अर्जय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटनातारीख: 7-7-76  
मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश सं० III-196/अर्जन/76-77/914—यतः मुझे,  
अर्जय कुमार सिंहा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269वा,  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी प्लौ० सं० 15 एवं 16 है, तथा जो गोविन्द नगर  
कलोनी, धनबाद में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 28-11-75को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-176GI/76

(1) श्रीमति सीता चक्रवर्ती जौजे श्री एस० एन०  
चक्रवर्ती सा० निजाम पैलेश काम्पाउण्ड, लोधर सर्कुलर  
रोड, कलकत्ता  
(अन्तरक)(2) एम० एस० सिंही ब्रदर्स कोल, कम्पनी बिहार टाकीज,  
के निकट, मैन रोड, झरिया, जिला धनबाद  
(अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रक्षा 10.486 कट्ठा के साथ दो मंजिला मकान  
हो सं० 333 जो गोविन्द पुर नगर कोलनी, बेकारबन्द एरिया  
धनबाद में है, प्लौट सं० 15 एवं 16 हैं तथा जिसका वर्णन  
दस्तावेज सं० 12943 दिनांक 28-11-75 में पूर्ण है।

अर्जय कुमार सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 7-7-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश सं० III/197/अर्जन/76-77/915—यतः मुझे,  
अजय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी प्लौट सं० 6306, 6307, 6309 है, तथा जो  
नाथ नगर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय क्लक्टर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 1-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने  
में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

(1) सर्वश्री अनिल चन्द्र घोष, सुनिल चन्द्र घोष, निखिल  
चन्द्र घोष, सुशील चन्द्र घोष, सलिल चन्द्र घोष, निवासी  
सिवरामपुरी, थाना सेरामपुर, जिला हुगली (प० बं०)  
(अन्तरक)

(2) डा० ओम प्रकाश वुधिया एवं शिव कुमार वुधिया,  
निवासी—नाथनगर भागलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकवा 1 बीघा 10 कट्टा सा० नाथनगर, भागलपुर  
वा० सं० 19, शे० सं० 22, प्लौट सं० 6306, 6307 एवं 6309  
तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० I 6209 दिनांक 1-11-75  
में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 7-7-76

मोहर :

प्रूरुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना  
पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निर्देश सं० III 198/अर्जन 76-77/916—यतः मुझे, अजय  
कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी प्लौट सं० 6300, 6304, 6305 है, तथा जो  
नाथनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 1-11-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सर्वश्री अनिल चन्द्र घोष, सुनिल चन्द्र घोष, सलिल  
चन्द्र घोष, निलिल चन्द्र घोष, एवं सुशील चन्द्र घोष निवासी  
शिवगंगुली, थाना सेरामपुर, जिला हुगली (प० बं०) (अन्तरक)

(2) श्रीमती रुक्मनी बुधिया सा० नाथ नगर, भागलपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में फिए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकवा 3 बीघा सा० नाथनगर, भागलपुर, वा० सं०  
19 हो० सं० 22, प्लौट सं० 6300, 6304, 6305 तथा जिसका  
वर्णन दस्तावेज सं० I 6292 दिनांक 1-11-75 में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 7-7-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० --

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निवेश सं० III - 199/अर्जन/76-77/917—यतः भुजे,  
अर्जय कुमार सिहा,  
श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पाण्डात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है,

और जिसकी प्लौट सं० 7620 है, तथा जो धनबाद पुरुलिया रोड,  
चास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 22-11-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्तः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति साविद्वी देवी अग्रवाल जौजे श्रीं । कशनलाल  
अग्रवाल मा० म॒ रिया, जिला धनबाद (अन्तरक)

(2) श्री सरदार अमरिक सिंह वरद डा० धजन सिंह सा०  
कुमारीटाङ, थाना-बाघमारा, जिला-धनबाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 36 डि० सा० धनबाद पुरुलिया रोड, चास,  
जिला धनबाद, प्लौट सं० 7620 खाता सं० 746 है तथा जिसका  
वर्णन दस्तावेज सं० 12774 दिनांक 22-11-75 में पूर्ण  
है।

अर्जय कुमार सिहा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 7-7-76

मोहर :

प्रखण्ड श्रावण ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश सं० III 200/अर्जन/76-77/918—यतः मुझे,  
अजय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक है,  
और जिसकी प्लौट सं० 7620 है, तथा जो धनबाद पुलिया रोड, चास  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-11-75  
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्रीदेवी, अग्रवाल जौजे श्री किशन लाल  
अग्रवाल, सा० लक्ष्मी, जिला-धनबाद। (अन्तरक)

(2) श्री जगत नारायण सिंह बल्द सरदार अमरिक सिंह,  
मा० फुलारीटांड थाना वाघमारा, जिला धनबाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जर्मान रक्षा 37 डि० सा० धनबादपुरुलिया रोड, चास जिला  
धनबाद में है तथा प्लौट सं० 7620 खाता सं० 746 है और  
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 12774 दिनांक 22-11-75 में  
पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

तारीख : 7-7-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना  
पटना, दिनांक 7 जुलाई 1976

निर्देश सं० 201/अर्जन/76-77/919—यतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी प्लौ० सं० 1280, 1281 है, तथा जो मोरहावादी  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-11-  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला देवी जीजे पी० सी० अग्रवाल सा०  
मोरहावादी, रांची  
(अन्तरक)

(2) एस० एस० मस्करा टिकमानी द्रांसपोर्ट कम्पनी, रांची  
द्वारा सी० ल० प्र० टिकमानी, कुंसलाल स्ट्रीट, रांची (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य  
काहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए  
जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन मय कमान रकवा 4 क० 6 छंटाक 22 वर्ग फॉट सा०  
मोरहावादी, रांची में है तथा प्लौट सं० 1280, 1281 एवं  
खाता सं० 55 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज दिनांक 26-11-75  
में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार  
पटना ।

तारीख : 7-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०

(1) श्री एन० आर० रामानुजम और एस० आर० रुक्मनि अम्माल (कावेरी कलर प्रेस)।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, 123 माउन्ट रोड, मद्रास-600008

मद्रास-600008, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० 3465/75-76—यतः मुझे, एस० राजरटनम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 23 और 24 हैं तथा जो डाक्टर बेसण्ट रोड, कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती एम० सात्त कुमारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, डाक्टर बेसण्ट रोड, डोर सं०-23 और 24 में, 8910 स्कुयर फिट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एम० आर० तरसिहन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 6 जुलाई 1976

निकेश सं० 3466/75-76—यतः, मुम्, एस० राजरतनम्  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 58 ए, चिदम्बरम् पिल्लै स्ट्रीट, पण्टी  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पण्टी  
(डाकुपेण्ट 2715/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री सी० एन० बाजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पण्टी, चिदम्बरम् पिल्लै स्ट्रीट, डोर सं० 58 ए में एक  
एकड़ और चौदह सेण्ट की भूमि (मकान के साथ-श्री राम  
नियेटर) जिसका आर० एस० सं० 120/21

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

एस० राजरतनम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अन्तरक (अन्तरिती)  
अर्जन रेंज, मद्रास

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमति सन्तियावल्ली अम्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

(2) प्रिमियर टेक्सटैल प्राइवेट्स।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० 2787/75-76—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का दारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है,

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1068/1 सी, कृष्णरायपुरम गांव कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्राम-III कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 3918/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1975

को पूर्णोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

7-7176GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, कृष्णरायपुरम, गांव लालक सं०-17, वार्ड सं० 10, टी० एस० सं० 1068/1 सी० में 18 सेण्ट और 112 स्कुयर फीट की खाली भूमि।

एस० राजरटनम  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) सन्तियावली: अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास-600006

मद्रास-600008, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० 2787/75-76—यतः मुझे, एस० राजरटनम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1068/1 सी०, में कृष्णराम-पुरम गांव, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज० एम० आर०III कोयम्बतूर, (डाकुमेण्ट 3916/75) में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ फाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, यथा:—

(2) प्रिमियर पासारिंड्रेस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित, है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, कृष्णरामपुरम गांव, ज्वाक सं० 17, वाड सं० 10, टी० एस० सं० 1068/1 सी० में 18 संट और 117 स्कुपर फीट की खाली भूमि।

एम० राजरटनम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० मुरुगेस नाथकर, एम० आनन्दन श्रीर  
पी० जी० वेनुगोपाल (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० ई० अब्दुल जबार। (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 जुलाई 1976

निर्देश सं० 1984/75-76—पतः मुझे, एस० राजरत्नम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिवकीं सं० प्लाट सं० 73, आर० एस० सं० 626/10,  
काम्बार नगर मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपावन्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, मद्रास 'डाकुमेण्ट  
8050) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 14-11-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहिया करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति हितवध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास  
लिखित में किये सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 34, नृगम्बांकम, काम्बार नगर, प्लाट सं० 73  
(आर० एस० 626/10) में भूमि और मकान।एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकरी  
सहायक आयका आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 6-7-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती डाक्टर जुबैदा बेगम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एन० कृष्ण अध्यर और श्रीमती पी० आर०  
लक्ष्मि अम्माल ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 8 जुलाई 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अधिय, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्थलीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**मद्रास-5, काना भाग स्ट्रीट तीसरा लेन, डोर सं० 28/31  
में भूमि और मकान ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० राजरटनम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः, अब उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-7-1976

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०.....

(1) श्रीमती सटिन टेर बेडि ।

(अन्तरक)

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक भाग्यकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थ्रेव-11, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 जुलाई, 1976

निवेदन सं० 5003/75-76:—यतः, मुझे, एस० राजरटनम, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० 2, चमियर्स रोड, ग्रेड्यार बोट बल्ड, मद्रास-20, में स्थित है (और इससे उपार्वक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डॉकुमेण्ट सं० 1598/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सार्वतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, प्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री एस० मीनाशि सुन्दरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर समिति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

ग्रनुसूची

मद्रास, ग्रेड्यार, चमियर्स रोड, डोर नं० 2 में 4 ग्राउंड और 570 स्क्युर फीट की भूमि ।

एस० राजरटनम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस० · · · · ·

(1) श्री आर० स्वामिनातन और श्रीमती शान्ता सुन्दरि ।  
(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269—घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 जुलाई, 1976

निदेश सं० 5010/75-76:—यतः, मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, '25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 18, श्रीनगर कालनि सेंदापेट, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (या 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः:—

(2). श्री सिंह जी० जयरामन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारी हियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग्य 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-15, सेंदापेट, श्रीनगर कालनि में डोर सं० 18 (भूमि और मकान)।

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 6-7-1976

मोहर:

प्रस्तुप श्राद्ध ० टी० एन० एस०.....

(1) श्रीमती जोसफैन मरी अलायसीयस फेरनान्ड और जोसफ अन्टोनी कसमिट फेरनान्ड (अन्तरक)

(2) जासमिन डी० रोस ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई, 1976

निदेश सं० 24/नवम्बर/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 581 है, जो कील तिरुचेन्दूर में स्थित है (और इससे उपाबाड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेन्दूर (पत्र सं० 1242/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अपार्ट:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुलेलवेली जिला, कील तिरुचेन्दूर गांव आर० एस० सं० 581 में 21.63 एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास ।

तारीख: 7-7-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी एन० एस० —————

(1) श्रीमती जोसफेन मरी ए० फेरनान्ड और जोसफ ए० कसमीट फेरनान्ड, ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

(2) जे० ए० स्टीफन फेरनान्ड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई, 1976

निवेदण सं० 73/नवम्बर/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 581 है, जो कील तिरुचेन्दूर में स्थित है (और इससे उपाष्ठ भूमि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, तिरुचेन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर, 1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य आहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

भनुसूची

तिरुलेलवेलि जिला, कील तिरुचेन्दूर गांव आर० एस०-581 में 21.63 एकड़ लेटी की भूमि ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामानाथन,  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 7-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री तुलसीमणि और श्रादी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती परमेश्वरि अम्माल ।

269 घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई, 1976

निदेश सं० 74/नवम्बर/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 723/2 है, जो मानाडु ताज़ु-पत्तु गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उड्डन्नुडी (पत्र सं० 2168/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेन्दूर तालुक मानाडु सान्धुपलु गांव आर० एस० सं० 723/2 में 8, 10 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-7-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री जी० रुद्रम् और एस० तिलैवेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई, 1976

निदेश सं० 76/नवम्बर/75-76—यतः मुझे, जी० राम-  
नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक है और  
जिसकी सं० आर० एस० 183/3 और 187/5 है, जो अरियाग-  
ऊँडमपट्टी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरि-  
पट्टी (पक्ष सं० 1197/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती अताधी प्रम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, नामगिरिपट्टी, अरियागऊँडमपट्टी गांव आर०  
एस० सं० 183/3 और 187/5 में 5.93 एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 7 जुलाई, 1976 ।

मोहर:

प्रृष्ठ प्राप्ति 31 एन० एस०

(1) श्री जै० वी० पान्डीयन, मद्रास-3।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1976

निदेश सं० 43/नवम्बर/75-76:—यत, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 179 है, जो VII क्रास स्ट्रीट, मद्रास-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्रसं० 1159/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः:—

(2) श्री गणमुगमुन्दरम, मद्रास-3।

(1) बकन की एशेनस (पी०) लिमिटेड।

(2) एस० सत्यनारायणन और ए० पी० आसीखातम (अन्तरिती)

(4) पुरसवाकम हिन्दु जनोपाकट सास्वद निवि।

(वह व्यक्ति/जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-30, VII क्रास स्ट्रीट डोर सं० 179 में 2640 स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 9 जुलाई, 1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

(1) श्री सी० एम० एकाम्बरम, मद्रास-40।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० आर० दक्षणामुरती, मद्रास-30।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन थेट्र, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई, 1976

निदेश सं० 58/नवम्बर/75-76:--यतः, मुझे, जी० राम-  
नाथन,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसे  
इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष  
के अधीन सकाम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 29 है, जो गजपती नायुदु स्ट्रीट मद्रास-30,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 8011/  
75) में भारतीय रजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 12-11-1975 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और इसे एहतिवार वः ने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वे एहति-  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितः  
(अन्तरितियों) वे वीच ऐसे अन्तरण के लिये क्षय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण में लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
श्रीर/या(ख) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आरितियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित हारा प्रकट नहीं विद्या गया था या विद्या  
आना आवृद्ध था, इपाने में सुविधा के लिये;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मद्रास-30, जगपति नायुदु स्ट्रीट डोर सं० 29 म एक ग्राउन्ड  
और 199 स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)।जी० रामनाथन,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेज, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख: 9 जुलाई, 1976।

मोहर :

प्रत्येक दी ० एन० एस०—

(1) श्री ऊसफ डी० आटीकारन ।

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

ग्रजन बोर्ड-J, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई, 1976

निदेश सं० 64/नवम्बर/75-76—यह, मुझे, जी० रामनाथन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 45 (भाग) है, जो हारिटन रोड, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपानगद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 8092) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य मासितियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

(2) जोर बर्वस, मद्रास-14।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितधू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मद्रास हारिटन रोड, प्लाट सं० 45 (भाग) एल० ए० एन० ए० 250/59 (प्रार० एस० सं० 353) में 2 ग्रन्ड और 1844 स्क्युर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)  
ग्रजन बोर्ड-J, मद्रास।

तारीख : 9 जुलाई, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती ग्रन्थमाल और आदि ।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० वी० ए० राजेन्द्रन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन क्षेत्र-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई, 1976

निवेश सं० 71/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे, जी० राम-  
नाथन,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ए० से अधिक हैऔर जिसकी सं० एस० 190/3, 428/31, 934 और 937/2  
है, जो कुलवानिकरपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में प्रायर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
पालयमकोट्टै (पत्र सं० 3160/75) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-11-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के 15  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति, ग्रन्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।रप्ताकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;तिल्लेल्लेलि जिला, कुलवानिकरपुरम सरके सं० 190/3,  
(0.05), 928/1 (0.86), 934/(1.08 एकड़) और  
937/2 (0.51) में 2.50 एकड़ खेती की भूमि ।यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 9-7-1976

मोहर :

प्रत्येक आई० टो० एन० एस० . . . . .

(1) श्रीमती अर्प्पम्माल और आदी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थेट्र-1, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1976

निदेश सं० 72/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 190/3, 928/1, 934 और 937/2 है, जो कुलावानिकर पुरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालयमकोट्टै (पत्र सं० 3161/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तथा पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री आर० ए० मुक्तालसामि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों पीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिर्णेलवेलि जिला कुलावानिकरपुरम सरवे सं० 190/3, 928/1, 934 और 937/2 में 2.50 एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 9 जुलाई, 1976 ।  
मोहर :

प्रलेप प्राई ० टी० एन० एस०

(1) श्री सी० परमसिंहम् ।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री डी० चिन्नसामि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थैन-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 4/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे, जी० राम-  
नाथन्,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 60, 61, 62/1 और 63 है, जो भागलहूली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृह से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दरमपुरि (पत्र  
सं० 1329/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, नवम्बर, 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य मासितियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

दरमपुरि भागलहूली एस० सं० 60, 61, 62/1 और 63  
में 8.38 एकड़ की भूमि।जी० रामनाथन्,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, मद्रासप्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, यैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपक्षारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 12 जुलाई, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-य (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 13/नवम्बर/75-76:—यतः मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/1 और 1/2 है, जो सतासिवपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलुर (पत्र सं० 2333/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

(1) श्री वरदराजन और आदी।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० रामसामि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, अलूर तालुक, सतासिवपुरम गांव एस० सं० 1/1 और 1/2 में 9. 24 एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 12 जुलाई 1976।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०.....

(1) श्रीमती तुलसी अम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जयमणि विल्लबरायर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।निदेश रां० 23/नवम्बर/75-76:—यतः, मुझे, जी० राम-  
नाथन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 32 है, जो फस्ट स्ट्रीट चिदम्बरम नगर, तत्कुड़ि  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, सत्कुड़ि (पत्र  
सं० 1350/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।तत्कुड़ि, चिदम्बरम नगर, फस्ट स्ट्रीट डोर सं० 32, में 10  
सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) ।जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र-I, मद्रासप्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्षितायों, अर्थात्:—

तारीख: 12 जुलाई, 1976।

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अस्तीयप्प गड्ढर और आदी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग  
(1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० रंगसामि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 47/नवम्बर/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 546, 547, 550 और 551 है, जो अडिलम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाहर (पत्र सं० 883/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्थावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालकोडु तालुक अडिलम गांव एस० सं० 546, 547, 550 और 551 में 8. 51 1/2 एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12 जुलाई, 1976 ।

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

(1) श्री अब्दुल वाहुत और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० एम० सिवनाथन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 49/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिस की सं० 186, 187 और 188 है, जो अमिनी, रेडी  
हल्ली, दरमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दरमपुर (पत्र सं० 2592/75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-11-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्थायीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922, (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

दरमपुर, अमिनी रेडी हल्ली एस० सं० 186, 187 और  
188 में 4.01 एकड़ की भूमि ।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I मद्रास।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 12 जुलाई 1976

मोहूर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सैल्लया नाडार और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वाँ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१ मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० 27/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा०  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 388, 389/1, 394/4, 438/3 है, जो  
इलुप्पैयूरणी में स्थित है (और इससे उपाद्व अनसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोविलपट्टी  
(पत्र सं० 2191/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1975 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कोविलपट्टी, इलुप्पैयूरणी, ऐस सं० 388, 389/1, 394/4  
और 438/3 में 12. 47  $\frac{8}{15}$  एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, मद्रास

दिनांक: 13 जुलाई 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री एल० एन० वासुदेवन, वै पवर श्राफ श्रद्धारनी  
एजेन्ट, एल० पी० एन० राजगोपाल ।  
(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० 15/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे जी०  
रामनाथनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 37/2 और 3 है, जो तुलुक्कानूर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलूर (पत्र सं० 2369/  
75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, नवम्बर 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री के० कुप्पुसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सेलम जिला, आलूर तुलुक्कानूर गांव एस० सं० 37/2  
और 37/3 में 2. 68 एकड़ खेती की भूमि ।जी० रामनाथन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक 13 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री डॉ क्रशणसामि और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ (1) के अधीन सूचना(2) जे० के० ए० अंगमाल चेरीटेबल ट्रस्ट, कुमार-  
पालयम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० 96/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 अ (1) के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० पैमाण सं० 34 है, जो चिन्हपत्तनायकनपालयमपट्टी  
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम (पत्र सं०  
1609/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-11-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-  
मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किस आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;यतः इष्ट उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कुमारपालयम चिन्हपत्तनायकनपालयमपट्टी पैमार्इण सं० 34  
में 39 1/4 सेन्ट की भूमि ।जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 13 जुलाई 1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०

(1) श्री डी० कश्याणसामि और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० 25/अप्रैल/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पैमाश सं० 33 और 34 है, जो चिन्हपत्तनायकन-पालयमपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम (पत्र सं० 599/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-4-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) जे० के० के० अंगमाल चेरीटेबल ट्रस्ट  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुमारपालयम, चिन्हपत्तनायकनपालयमपट्टी पैमाश सं० 33 और 34 में 39 सेन्ट की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 13 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती जसवन्ती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जून 1976

निदेश नं० 81-एम/एश्य०—अतः मुझे, फ० रहमान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 131 है तथा जो विजईपुर जिला लखनऊ  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 24 नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है, मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10-176 GI/76

(2) मजदूर किसान सहकारी गृह निर्माण समिति लिं०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आराजी भूमिधरी तादादी तीन बीघा, सात विस्ता खसरा  
नं० 131, जो कि विजईपुर जिला लखनऊ में स्थित है ।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

दिनांक : 18 जून 1976

मोहर :

प्र० र० प्र० आई० टी० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जून 1976

निदेश सं० 52 पी०/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 329 बी है तथा जो मुट्ठी गंज, इलाहाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 1 नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मालती अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) दि प्रयाग उपनिवेसन आधास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया  
है।

अमृसूची

एक किता प्लाट नं० 329 बी जो कि मुट्ठी गंज, इलाहाबाद  
में स्थित है।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 18 जून 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती एम० विन्टसं

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) डा० तपेश्वरीदयाल श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

लखनऊ, 2 जुलाई 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

निवेश सं० 16-टी/एक्यू— अतः मुझे, फ० रहमान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 22 ए है तथा जो मिसन कम्पाउन्ड, कचहरी  
रोड़, मिर्जापुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय मिर्जापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 नवम्बर 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान  
प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि प्लाट नं० 22-ए और निर्मित बंगले का पूर्वी  
भाग खुली जमीन के सहित प्लाट नं० 22-ए पर है जो कि  
मीसन कम्पाउन्ड कचहरी रोड़, मिर्जापुर में स्थित है।

फ० रहमान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, लखनऊ

दिनांक : 2 जुलाई 1976

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारूः—

प्र० र० ग्राही० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती मू० भागवती

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती टिकोला देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश नं० 15-टी/अर्जन—ग्रतः मुझे, फ० रहमान  
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह वि वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 779 व अन्य है तथा जो ग्राम मैनाना  
तह० ग्रावलय जि० बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय ग्रावला (बरेली) में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-11-  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधीनस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका खेत नं० 779, 838, 770, 779,  
874, 892, तथा 896 है। जो कि ग्राम मैनाना तह० ग्रावला  
जिला बरेली में स्थित है।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 7 जुलाई 1976

मोहर:

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री प्रेम नरायन सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरी ओम गुप्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1976

(3) स्वयं मालिक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

मकान मय कालासाल 1/3 भाग महूदा जैल का जो कि श्यामगंज बरेली में स्थित है।

फ० रहमान  
स्थम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 7 जुलाई 1976

मोहर :

प्र० र० श्री प्र० नरायण सिंह

(अन्तरक)

प्र० र० श्री जगदीश सरन  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

(1) श्री प्र० नरायण सिंह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीजन रेज, लखनऊ

(2) श्री जगदीश सरन

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1976

(3) खुद मालिक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रीजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

निदेश नं० 33-जे/एक्यु—प्रतः मुझे फ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मकान मय बालाखाना है तथा जो मु० श्यामगंज बरेली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के श्रीजन के संबंध में कोई भी आधेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मय बालाखाना भहदूदा जैल का 1/3 भाग जो कि श्यामगंज बरेली में स्थित है।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीजन रेज, लखनऊ

दिनांक : 7 जुलाई 1976

मोहर :

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश नं० 51 के/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिस की सं० बी 3/19 है तथा जो मो० शिवाला-वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17/19-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति :—

(1) कमान्डिंग जनरल बहादुर शमशेर जंग बहादुर राना काठमान्डू नेपाल द्वारा श्री शमशेर जंग बहादुर राना मुख्तारे आम

(अन्तरक)

(2) श्री कमल बिक्रम शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता सीन मंजिला भकान नं० बी 3/19 जो कि मोहल्ला शहर वाराणसी में स्थित है।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 7 जुलाई 1976

मोहर :

प्र० रूप शाई० टी० एन० एस०

(1) श्री गिरजा शंकर टंडन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश नं० 94 आर/अर्जन—आतः मुझे फ० रहमान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 312 है तथा जो मवैया स्कीम लखनऊ  
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 12 नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;

आतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० 312 जिसका क्षेत्रफल 1805  
वर्ग फीट है जोकि मवैया स्कीम—लखनऊ में स्थित है ।

फ० रहमान  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 7 जुलाई 1976  
मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०————

(1) श्री छेटी लाल

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1976

निवेश नं० 124 एस/अर्जन—अतः, मुझे, फ० रहमान, सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० पुराना सी०-के 2/9 नया सी के-32/30 है तथा जो नैपाली खपरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्—

11-176 GI/76

(2) श्री समाज हितकारी सभा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान मय जमीन जिसका नम्बर पुराना सी—के 2/9 नया 32/30 है जो कि नैपाली खपरा जिला वाराणसी में स्थित है ।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 7 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

( 1 ) श्री प्रेम नरायण सिंह

( अन्तरक )

आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 269व

( 1 ) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 जुलाई 1976

निदेश नं० 125-एस/एकू—अतः, मुझे, फ० रहमान,  
आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है ) की धारा, 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान मय बालाखाना है तथा जो वाकै भ० श्यामगंज बरेली में स्थित है ( और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16 ) के अधीन दिनांक 12-11-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक ( अन्तरकों ) और अन्तरिती ( अन्तरितियों ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

( क ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

( ख ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ( 1957 का 27 ) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा ( 1 ) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

( 2 ) श्री सतीश कुमार

( अन्तरीती )

( 3 ) खुद मालिक

( वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

( क ) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

( ख ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मकान मय बालाखाना महदूदा जैल का 1/3 भाग जो कि वाकै भ० श्यामगंज बरेली में स्थित है।

फ० रहमान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 7 जुलाई 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जुलाई 1976

निदेश नं० अर्जन/1030/गाजियाबाद/75-76/655—  
अतः मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-11-1975 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरकिशन पुत्र श्री मोहनलाल (2) श्री स्वर्ण कुमार पुत्र मोहन लाल सभी निं० पटेल नगर, गाजियाबाद जि० मेरठ

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र पुत्र मोहन लाल (2) श्रीमती कान्ता गुप्ता पत्नी श्री निवास निवासी गंज 58, अशोक नगर, गाजियाबाद, जि० मेरठ (3) श्री फिराया लाल पुत्र आत्माराम (4) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र फिराया लाल निवासीगंज 55 ए० लोहियानगर गाजियाबाद, मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नवयुग मार्केट, सासनी गेट, गाजियाबाद में स्थित प्लाट नं० 58 जिसकी माप 200 वर्गमीटर है इसका हस्तान्तरण 70,000/-रु० में किया गया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5 जुलाई 1976  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 109/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 1-3-231 है, जो बनजारागली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उमदाय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुत्या (2) एम० शनकर (3) एम० नागया (4) श्रीमती नरसन्धा—पती स्वर्गीय एम० मानी कायम (5) कोस्टबा—पती एम० मलयथा तमाम निजामाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री लश्मन राव—पलसीकर पिता स्वर्गीय शेसराव पलसीकर लेकचरार नीरमल अदीलाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 1-3-231 बनजारा गली, निजामाबाद विस्तरम् 371-33 वर्ग यदि

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-7-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 110/76-77—यतः मुझे के० एस०  
बैंकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 147 है, जो बकाराम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० भूसम्या पुत्र लक्ष्मण्या (2) के० लक्ष्मण्या  
(3) के० धर्मेन्द्रा (4) के० महेश्वर पुत्र भूसम्या  
1-4-426/28 बकाराम हैदराबाद  
(अन्तरक)(2) सारथी को-आपरेटीव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड  
अध्यक्ष श्री माका रामस्वामी द्वारा हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सर्वे नं० 147 में भूमि जो 6195 वर्ग गज है जो कि 1 एकड़ 16 गंटाओं के समान है जो बकाराम नगर पालिका के ग्रन्दर है और हैदराबाद में स्थित है जिसका छौहड़ी निम्न से चिरा हुआ है।

उत्तर—नगर के रास्ता।

दक्षिण—स्टेट बैंक आपाक इंडिया के कालनी।

पूर्व—जिल्लेला रंगरेडी के प्लाट।

पश्चिम—नगर पालिका के रास्ता तथा एस० बी० आय० कालनी।

के० एस० बैंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रेज हैदराबाद

दिनांक 6 जुलाई 1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 86/नवम्बर /75-76—यतः, मुझे जी० राम-  
नाथन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिस की सं० 271/2, 214/1 और 4 है, जो चिन्हमनूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्हमनूर (पत  
सं० 3280/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 नवम्बर 1975 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरि (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय के बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एन० नैनार मोहमद

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० के० मोहमद राऊत्तर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**उपलब्धीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऊत्तमपालयम, चिन्हमनूर गांव सखे सं० 271/2, 274/4  
और 274/1 में 2.72 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)  
में 28/120 अभिन्न भाग।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I, मद्रास

दिनांक 12 जुलाई 1976  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

(1) श्री एन० नैनार मोहमद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० एम० सुलतान मैदीन

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 87/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 271/2, 274/4 और 274/1 है, जो चिन्हमनूर में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, चिन्हमनूर (पत्र सं० 3279/75) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिमापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

ऊत्तमपालयम चिन्हमनूर गांव सरवे सं० 271/2, 274/4 और 274/1 में 2.72 एकड़ की भूमि (मकान के साथ) में 28/120 अभिन्न भाग।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक : 12 जुलाई 1976

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री एन० नैनार मोहमद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 88/नवम्बर/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 271/2, 274/4 और 274/1 है, जो चिन्नमनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चिन्नमनूर (पत्र सं० 3278/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऊतमपालयम, चिन्नमनूर गांव एस सं० 271/2, 274/4 और 274/1 में 2.72 एकड़ की भूमि (मकान के साथ) में 28/120 अभिन्न भाग।

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामनाथन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12 जुलाई 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

(1) श्री आर० एम० सुभ्रमणिय पिलै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निदेश सं० 101/ नवम्बर/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 271/2, 274/4 और 274/1 है, जो चिन्ह-मतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्हमतूर (पत्र सं० 3224/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1975

को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्खोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आय उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12-176GI/76

(2) श्री एस० एम० सैयद भीरान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभृत है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उत्तमपालयम, चिन्हमतूर सर्वे सं० 271/2, 274/4 और 274/1 में 2, 72 एकड़ की भूमि (मकान के साथ) में 21/120 आमन भाग ।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 12 जुलाई 1976

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० . . . . .

(1) श्री के० जयराज और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० एम० सयद मीरान

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1976

निवेश सं० 102/ नवम्बर/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 271/2, 274/4 और 274/1 है, जो चिन्नमनूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, चिन्नमनूर (पत्र सं० 3240/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

उत्तमपालयम, चिन्नमनूर एस सं० 271/2, 274/4 और 274/1 में 2.72 एकड़ की भूमि (मकान के साथ) में 15/120 आमन्ना भाग।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 12 जुलाई 1976

मोहर :

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 जुलाई 1976

निर्वेश सं० आई० ऐ० सी० एक० वी० भोपाल 76-77/687

—यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का हिस्सा है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बीरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र श्री रामस्वरूप सिंह राजपूत निवासी 34 मालवीय नगर भोपाल (अन्तरक)

2. श्रीमती कुलदीप कौर पत्नि सरदार कुलदीप सिंह साहब निवासी गुरनानक पुरा निकट भोपाल राय सेन रोड, भोपाल एवं सरदार कुलदीप सिंह गुलाटी पुत्र श्री सरदार सिंह साहब बाहेंसेयत मुख्तार आय श्रीमती सौभाग्य वतीं रजेन्द्र कौर आत्मजा सरदार जगत सिंह साहब पांति सरदार मेहरसिंह निवासी 17 ए हार्टस्प्रिंग गार्जन कुआलालम्पुर, मलेरिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 24, प्लाट नं० 129 का हिस्सा जो कि मालवीय नगर भोपाल में स्थित है।  
ऐरिया 30' 4"×70' और एक मंजिल।वी० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी० भोपाल 76-77/690—

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० मकान का हिस्सा है, तथा जो मालवीय नगर भोपाल में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बीरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र श्री राम स्वरूप सिंह साहब राजपूत निवासी मकान 34 मालवीय नगर, भोपाल (अन्तरक)

2. श्रीमतीं कुलदीप कौर पत्नीं श्री सरदार कुलदीप सिंह जीं गुलाटी निवासी गुरुनानक पुरा, भोपाल रायसैन रोड भोपाल श्री मतीं सौभाग्य वर्तीं रजेन्द्र कौर पत्नीं सरदार महेर सिंह पुत्रीं श्री सरदार जगत् सिंह निवासीं 17 ए हार्ट स्प्रिंग गार्डन कुश्रालालम्पुर मलेशिया द्वारा भुठ आम श्री कुलदीप सिंह (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिकेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34, प्लाट नं० 127 का हिस्सा स्थिति मालवीय नगर, भोपाल ।  
एरिया 32" — 70"

वी० के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 20-7-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 20 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी० भोपाल 76-77/691—  
वी० कु० सिन्हा, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सकान का हिस्सा है, तथा जो मालवीय नगर भोपाल में स्थित है, (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सब्जे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ धारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बीरेन्द्र कुमार (वी० सिंह) आयु सातव्यासप्ताहीन 56 वर्ष आत्मज श्री रामस्वरूप सिंह राजपूत निवासी मकान नं० 34 मालवीय नगर भोपाल-3 (अन्तरक)

2. श्रीमती कुलदीप सिंह साहब गुलाटी निवासी गुरुनानक पुरा निकट भोपाल रायसेन रोड भोपाल -2 रजेन्ट्रर कौर आ० जगत सिंह पत्नी सरदार महुर सिंह 17 ए० हा० स्प्रिंग गार्डन कुआलालम्पुर मलेशिया द्वारा मुख्तार श्राम सरदार कुलदीप सिंह गुलाटी आ० सरदार सरदार सिंह साहब गुलाटी निवासी गुरुनानक पुरा भोपाल रायसेन-रोड भोपाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34 का हिस्सा, स्थिति मालवीय नगर, भोपाल।

वी० कु० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20-7-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

14/4 क, आसफाबादी मार्ग, नई दिल्ली

नईदिल्ली-1, दिनांक 19 जुलाई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III  
नवम्बर-1/(4) 1004/75-76—यतः, मुझे, चं० वि० गुले,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21-बी०-2 है, तथा जो फरेंडस कालौनी,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और,  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 10-11-1975  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भाई बलबीर सिंह, सुपुत्र श्री भाई सुन्दर दास  
तथा भाई रानीं चन्द बलबीर सिंह, पत्नी भाई बलबीर सिंह,  
निवासी 9-ए, राटनडग रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती रोमिला रानीं कपूर, पत्नी श्री श्रीकृष्ण  
कपूर, मकान नं० 4842, अन्सारी रोड, 24 दिल्ली-6 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वित्तव्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे:

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया था।

### अनुसूची

फीहोल्ड भूमि के बह सभी भाग जोकि प्लाट नं० 21-बी०-2  
से जाने जाते हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 994 वर्ग गज है, फैन्डस  
कालौनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सोसाईटी की सड़क जोकि नाल्हा तथा मुख्य सड़क  
के साथ है।

पश्चिम : श्री के० एल० पंजाबी के द्वारा बेची शेष भूमि ।

उत्तर : श्रीमती उत्तम आनन्द के प्लाट नं० 21-बी०-1  
का भाग ।

दक्षिण : भाई बलबीर तथा भाई रानीं चन्द बलबीर  
सिंह के प्लाट नं० 21-बी० का हिस्सा ।

चं० वि० गुले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1,

तारीख : 19-7-1976  
मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई, 1976

निदेश नं० 1605 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ को अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं। (और इससे उपाब्रह्म अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथात्पर्योग्यता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और आन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सूरज कुमार तथा अन्य सुपुत्र श्री अजोदय नाथ निवासी मोहूल्हा किला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला रानी पति श्री मोहन लाल तथा अन्य निवासी शर्कनिन्द मट्टीट, जालन्धर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिस के अभिधोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6668 नवम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी (जालन्धर में लिखा है)

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-7-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस० आर०-111/  
 नवम्बर-11/(2) /75-76 :—अतः मुझे, चं० वि० गृष्टे  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
 के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
 से अधिक है

और जिसकी सं० एम० 295 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश  
 II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्युक्त अनुसूची में  
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
 (1908 का 16) के अधीन 19-11-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
 फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
 और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
 में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
 गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
 जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रत्न सिंह सारीन, सुपुत्र श्री बलभूत सिंह,  
 सारीन निवासी 6, हैमकुन्ड, नई दिल्ली  
 (अन्तरक)  
 (2) श्री अमरबीर सिंह, सुपुत्र श्री अत्तर सिंह निवासी  
 ए०-७, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली ।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अविक्षियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 400 वर्गगज  
 है और नं० एम०-295 है, निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाश-11,  
 नई दिल्ली, दिल्ली की नियन ईरीटरी, दिल्ली नगर निगम  
 की सीमा के अन्तर्गत, साउथ जोन, में निम्न प्रकार से स्थित  
 है :—

पूर्व : सड़क  
 पश्चिम : सड़क  
 उत्तर : प्लाट नं० एम०-293  
 दक्षिण : प्लाट नं० एम०-297

चं० वि० गृष्टे

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-7-1976

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

## भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1977

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1976

सं० एफ० 12/1/76-ई०-I (बी०)---भारत के राजपत्र दिनांक 31 जुलाई, 1976 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्यिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, विस्पुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना तथा विवेन्द्रम में 25 जनवरी, 1977 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी:—

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को परीक्षा की सभी सारणी तथा स्थान या स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपांत्त-II पैरा-10।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन दो सेवाओं के लिए भर्ती की जानी है उनके नाम तथा इन दोनों सेवाओं के ग्रेड IV में रिकियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है:—

(i) भारतीय अर्थ सेवा	10
(ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा	10

उपर्युक्त संस्थाओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिकियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं में से किसी एक अथवा दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपांत्त-1 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें:—उसे केवल उसी सेवा/उन्हीं सेवाओं के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह आवेदन

करेगा। दोनों सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में सेवाओं के संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयता पर भलीभांति विचार किया जा सके।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रूपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011, को मनीश्वार्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीश्वार्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंटी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में बापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 27 सितम्बर, 1976 (27 सितम्बर, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 11 अक्टूबर, 1976) तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपांत्त I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू महीं होता जो उपांत्त I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी बापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी

अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रधी,  
उप सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग।

### उपाधन-1

इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में ₹ 48.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 12.00) का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों या स्टेट बैंक आक इंडिया, नई विल्ली में देय बैंक ड्रापट द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रहे रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकता है।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्रव्रजन कर भारत आया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह वर्मा से बास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से बास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे ₹ 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी वारे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

### उपाधन-2

#### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केवलों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा बैठने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार महीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 27 सितम्बर, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निमिण प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से कार्य कर रहे हैं, उन्हें अपने आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजने चाहिए जो आवेदन-पत्रों के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर उन्हें आयोग के पास भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को, अपने ही हित में, अपने आवेदन-पत्रों की अप्रिम प्रतियाँ सीधे आयोग को भेज देनी चाहिए। यदि इनके साथ निर्धारित शुल्क होता है तो उन पर अनन्तिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र सामान्यतः अनन्तिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के प्रन्दर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए।

सरकारी सेवा में पहले से ही लगा कोई व्यक्ति यदि अपने आवेदन-पत्र की अधिग्राम प्रति निर्धारित शुल्क के साथ प्रस्तुत नहीं करता है या उसके द्वारा प्रस्तुत की गई अधिग्राम प्रति आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख तक या उससे पहले प्राप्त नहीं होती है तो विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष के आधारम से उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा जो आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है।

गैर सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले अधिकारीगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्न-लिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपायन्ध 1)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लागभग 5 सें. मी०  $\times$  7 सें. मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के बावें के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

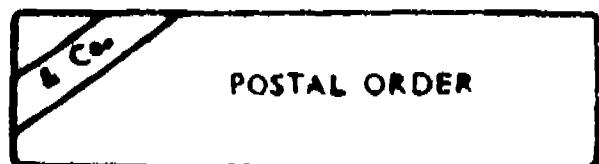
नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्राणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणामों की मई, 1977 में घोषित किए जाने की संभावना है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर मौखिक परीक्षा हेतु अहंता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी, उन्हें प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में मौखिक परीक्षा के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार

रखना चाहिए। जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण-पत्र उस समय नहीं भेज सकेंगे उनको उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार आगे विचार किये जाने का कोई दाबा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) के प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए हैं:—

(1) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



तथा इस प्रकार भरा जाए:— “Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 48.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 12.00 के बराबर) यथास्थित उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में इस अनुरोध के साथ जमा करवाएं कि उस राशि को लेखा शीर्ष

"051 Public Service Commission—Examination Fees". में जमा किया जाए। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा संग्रहित मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। ऐसा उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित अवश्य हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर/माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर/माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त बैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में वर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिय भेजने और आयोग द्वारा उसके स्थीरत हो जाने के बाद किसी अगले परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन नहरने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए। जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (श्रीत् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने के कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य ऐसा साक्ष्य भेजना चाहिए जो वह प्रस्तुत कर सकता हो। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए आवश्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने से संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से अधिक विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के फरिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 प्रैल, 1977 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ०  $\times$  ७ सें. मी. ०) के फोटो की दो जैसी प्रतियाँ भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की ओर स्थानी से इस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रलेखों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न

भेजने का उन्नित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के बिल्द कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। जो प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [उपर पैरा 3 (iii) के नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो वह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती कुमारी\*  
सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री \_\_\_\_\_ जो गांव/कस्बा\*  
जिला/मण्डल\*  
राज्य/संघ राज्य\* क्षेत्र \_\_\_\_\_ के/की\*  
निवासी है \_\_\_\_\_ जाति/जन\* जाति के/की  
है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित\* जन  
जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950 ; \*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950; \*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,  
1951; \*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां)\* संघ राज्य क्षेत्र (आदेश,  
1951; \*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची  
(आणोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960,  
पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधि-  
नियम, 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम,  
1971 द्वारा यथासंशोधित) :

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1956\*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन  
जातियां आदेश, 1959\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां  
आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) उत्तर प्रदेश आदेश, 1967\*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1968\*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश,  
1968\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*

और/या\* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\*

जिला/मण्डल\*

राज्य/संघ\* राज्यक्षेत्र \_\_\_\_\_ में रहते/  
रहती\* है।

हस्ताक्षर

\*\*पदनाम

(कार्यालय की मोहर)

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र\*

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां “आम तौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी :—

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/  
डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी

कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा प्रसिस्टेंट कमिशनर ।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं) ।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो ।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो ।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्ष्यीप) ।

5. (i) नियम 5 (ख) (ii) या 5 (ख) (iii) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन कर भारत आया है:—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों प्रथम विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिक्षियों के केन्द्र कमांडेंट ।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है ।

(3) अपने ज़िलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर ।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।

यदि उस उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी ज़िला अधिकारी से प्रथमा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से प्रथमा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(ii) नियम 5 (ख) (iv) प्रथमा 5 (ख) (v) के अंतर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित शुल्क: भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आण्य के प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है ।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अंतर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी ज़िला अधिकारी से प्रथमा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से प्रथमा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(iii) नियम 5 (ख) (vii) प्रथमा 5 (ख) (viii) के अंतर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित शुल्क: भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, प्रथमा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके ज़िला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है ।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अंतर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी ज़िला अधिकारी से प्रथमा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से प्रथमा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो वह निवासी है उसके ज़िला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है ।

(iv) नियम 5 (ख) (vi) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथोपिया से प्रत्यावर्तित भारतीय व्यक्ति को उस क्षेत्र के ज़िला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है ।

(v) नियम 5 (ख) (ix) प्रथमा 5 (ख) (x) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनःस्थापन, रक्षा भवालालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विवेणी शब्द देश के साथ संबंध में प्रथमा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं० \_\_\_\_\_ श्री \_\_\_\_\_ सेवाओं में कार्य करते हुए विवेणी शब्द देश के साथ संबंध में/ अशांतिग्रस्त\* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पदनाम \_\_\_\_\_

दिनांक \_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें ।

(vi) नियम 5 (ख) (xi) अथवा 5 (ख) (xii) के अंतर्गत आयु-सीमा में कूट चाहने वाले सीमा सुरक्षा दल में विकलांग हुए उम्मीदवार को महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय, से नीचे दिए गए फार्म में प्राप्त प्रमाण-पत्र की एक अभिभ्रमणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में विकलांग हुआ था और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ था।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट ————— के रैंक नं० ————— श्री —————

1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में विकलांग हुए थे और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए थे।

हस्ताक्षर —————

पदनाम —————

दिनांक —————

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पावता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, तो उसे अभीष्ट पावता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई क्षूठ व्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर बदल किए गए/ कृठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविर्ती तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथायी दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को

अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से अंचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाशों की प्रतियों की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी०" ब्लॉक, बाबा खड़कसिंह मार्ग, नई दिल्ली (110001), (ii) प्रकाशन शाखा उद्योग भवन, नई दिल्ली (110001) और कार्यालय संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली-110011 का विक्री काउंटर और (iii) गवर्नरेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-ध्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आविस विविव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उसमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

1. परीक्षा का नाम

2. परीक्षा का महीना और वर्ष

3. उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जम्म-तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-ध्यवहार का पता

ध्यान दें :—जिन पत्रों आविस में यह व्यौरा नहीं होगा उन पर संभव है कि ध्यान नहीं दिया जाए।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की ध्यान स्थापा कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आविस, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित व्यौरे के साथ, यथार्थी द्वारा दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd June 1976

No. P/1837-Admn.I.—Dr. V. S. Misra, formerly Reader, Education Department, Allahabad University who was earlier appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission upto 31st May, 1976 *vide* this office Notification of even number dated 9-3-1976 has been allowed to continue in the said post upto 31st August, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
for Chairman,  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 29th May 1976

No. A.32014/1/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Khurana, an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Private Secretary (Selection Grade of CSSS) in the same cadre on a temporary and *ad hoc* basis of a period of 73 days from 18-5-1976 to 29-7-1976 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 29th May 1976

No. A.32014/2/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on purely temporary and *ad hoc* basis for a period of 73 days with effect from 18-5-1976 (FN) to 29-7-1976 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri P. P. Sikka should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer on him any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

## CABINET SECRETARIAT

## DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 30th June 1976

No. A.20014/91/76-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby promotes Shri H. N. Tripathi, S. I. as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Bombay COW Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 17th June, 1976 until further orders.

V. P. PANDEY,  
Administrative Officer (A),  
C.B.I.  
for Deputy Inspector General of Police  
Special Police Establishment

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 1st July 1976

No. O-II-10/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri H. Veerabhadraiah, an IPS officer of Karnataka Cadre, as I. G. P. in the C.R.P. Force.

2. Shri Veerabhadraiah took over charge of the post of IGP S/I, C.R.P.F. Hyderabad on the afternoon of 16th June 1976.

The 3rd July 1976

No. O-II-1049/76-Estt.—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. (Mrs.) P. Seetaratnam, as Junior Medical Officer in the C. R. P. Force on an *ad-hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 26th June, 1976.

2. Dr. (Mrs.) P. Seetaratnam, is posted to G. C., C.R.P.F., Avadi.

The 7th July 1976

No. O-II-7/72 Estt.—Consequent on his repatriation to parent State i.e. Uttar Pradesh, Shri A. M. Shah, IPS relinquished charge of the post of D.I.G.P., C.R.P.F. New Delhi on the forenoon of 1st May 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm)

DIRECTORATE OF COORDINATION  
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-110001, the 30th June 1976

No. A. 21/23/75-Wireless.—Consequent on his reversion to Joint Cipher Bureau, Ministry of Defence, Shri S. C. Jain relinquished charge of his duties as Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) on the afternoon of the 17th June, 1976.

C. P. JOSHI,  
Director,  
Police Telecommunications

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 6th July 1976

No. 3217-GE.I/111-76

No. 1973-GE.I/N-4/PF.VI, dated 9-4-76.—On return from leave from 22nd March, 76 to 16th April, 76 with permission to affix holidays on 21st March 1976, 17th & 18th April 76, Shri T. B. Nagarajan IAAS has taken over as Accountant General, West Bengal, Calcutta with effect from 19th April 1976 (FN). He relieved Shri K. Lalit, IAAS of his additional charge.

No. 1716-GE.I/B-25, dated 14-4-76.—on return from leave from 16th Jan., 76 to 21st Feb., 76 with permission to suffix sunday on 22nd Feb., 76 to the leave, Shri H. B. Bhar IAAS took over as Deputy Comptroller & Auditor General of India with effect from 23rd Feb., 76 (FN). He relieved Shri R. P. Ranga, I.A.A.S. of additional charge.

No. 1715-GE.I/M-54/PF.II, dated 14-4-76.—Shri N. Mukherjee, IAAS has retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31st March 1976 (AN).

No. 1690-GE.I/B-44/PF.II, dated 14-4-76.—Shri P. Bhattacharjee, IAAS formerly Director of Audit & Accounts, Posts & Telegraphs, Calcutta has retired from Government service (on the expiry of I.P.R.) on attaining the age of superannuation with effect from 31st March 76 (AN).

No.1717-GE.I/G-20/PF.IV, dated 14-4-76.—On return from leave from 11th Dec., 75 to 31st Jan 76, with the permission to suffix sunday on 1st Feb., 76 to the leave Shri O. P. Goyal, IAAS took over as Chief Auditor, North Eastern Railway Gorakhpur with effect from 2nd Feb., 76 (FN). He relieved Shri Nem Chand, IAAS of additional charge.

No. 1852-GE.I/K-7/PF.IV, dated 23-4-76.—On reversion to the IAAD and on expiry of curtailed leave and joining time Shri K. J. Kuriyan, IAAS has taken over as Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad with effect from 5th April 76 (FN). He relieved Shri A. G. Narayanaswamy IAAS of his additional charge.

No. 2022-GE.I/A-8/PF.V, dated 6-5-76.—Consequent upon his permanent absorption in the Indian Petrochemicals Corporation Ltd., Baroda (a Government of India undertaking) in the public interest. Shri A. J. A. Tauro, IAAS is deemed to have retired from Government service with effect from 1st May 76 in terms of Rule 37 of the Central Civil Service (Pension) Rules 72.

No. 2948-GE.I/S-114/PF, dated 16-6-76.—Shri S. K. Sen Gupta IAAS Sr. Dy. Accountant General (Admn) O/O A. G., Punjab Chandigarh has retired from Govt. Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st May 76 (AN).

No. 2444-GE.I/J-4/PF.V, dated 24-5-76.—On return from leave from 13th April, 1976 to 1st May, 1976 with permission to affix 9th to 12th April, 76 Shri D. D. Jerath, IAAS took over as Accountant General (I), Uttar Pradesh, Allahabad with effect from 1st May 76 (AN). He relieved Shri Ved Prakash, IAAS of the additional charge.

No. 2758-GE. I/D-5/PF.IV, dated 9-6-76.—On return from leave from 30th April 76 to 15th May 76 with permission to suffix 16th May 76 to the leave, Shri P. P. Dhir IAAS has taken over as Accountant General (I), Madhya Pradesh, Gwalior with effect from 17th May, 1976 (FN). He relieved Shri S. Ramachandran, IAAS of the additional charge.

No. 2773-GE.I/S-48/PF.VII, dated 9-6-76.—Shri H. S. Samuel, IAAS has taken over as Chief Auditor South Central Railway, Secunderabad with effect from 17th May, 76 (FN). He relieved Shri K. J. Kuriyan, IAAS on his transfer.

No. 2910-GE.I/N-14/PF.III, dated 11-6-76.—On return from leave from 26th April 76 to 31st May, 76 with permission to prefix 25th April 76. Shri A. G. Narayanaswamy IAAS, has taken over as Accountant General II. A. P., Hyderabad with effect from 1-6-76. He relieved Shri Ramachandran, IAAS of the additional charge.

No. 2911-GE.I/B-9/PF.KW, dated 11-6-76.—On return from leave Shri A. N. Biswas, IAAS has taken over as Chief Auditor, Western Railway, Bombay with effect from 1-6-76. He relieved Shri M. Y. Ranade, I.A.A.S. of the additional charge.

A. H. JUNG,  
Deputy Director

ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUES  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL  
REVENUES

New Delhi, the 30th June 1976

No. Admn. I/O.O.298/5-5/Promotion /76-77/847.— The Accountant General, Central Revenues, hereby appoints Shri Rishi Deva, a permanent Section Officer of this Office to officiate as Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840—1200, w.e.f. 19-6-1976 (A.N.) until further orders.

H. S. DUGGAL, Sr. Dy. Acctt. General (A)  
14—176 GI/76

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL RAJASTHAN

Jaipur, the 10th October 1976

No. AO/Admn/75-76/1548.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Beg Raj Saroha, Clerk, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be, tendered to him.

R. A. BORKAR  
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 5th July 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/396/56-Admn(G)/4292.—Shri B. V. Sabnis is re-instated in the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay with effect from 16-6-76 (forenoon).

2. This Office Notification No. 6/996/56-Admn(G)/1008 dated 6-2-1976 is hereby cancelled.

No. 6/594/60-Admn (G)/4286.—Shri J. E. Shaikh is re-instated in the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Export, Bombay with effect from 16-6-76 (forenoon).

2. This Office Notification No. 6/594/60-Admn(G)/1034 dated 7-2-1976 is hereby cancelled.

No. 6/652/62-Admn. (G)/4273.—Shri D. P. Varerkar is re-instated in the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay with effect from 17-6-1976.

2. This Office Notification No. 6/652/62-Admn(G)/1069 dated 10-2-1976 is hereby cancelled.

P. K. KAUL,  
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 3rd July 1976

No. CLB I/1/6G/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71 dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification in column 2, against S. No. 20(i) for the existing entry, the following entry shall be substituted namely :—

"All District Industries Officers/Assistant District Industries Officers".

The 5th July 1976

No. 18(1)/73-76/CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against Serial No. 20(a), for the existing entry in column 2, the following shall be substituted, namely :—

"All District Industries Officers/Assistant District Industries Officers".

G. S. BHARGAVA, Jr. Textile Commissioner.

SURVEY OF INDIA  
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE  
Dehra Dun, the 30th June 1976

No. C-5105/707.—Shri T. Keshavamurthy, Surveyor Sel. Grade is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from 1st June 1976 (FN) and posted to No. 21 Party (SC), Survey of India, Bangalore.

The 1st July 1976

No. E1-5107/913-H.—In continuation of this office Notification No. E1-4979/913-H dated 6-8-1975, the *ad-hoc* appointment of Shri R. K. Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 30-9-1976 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSI.A, Colonel  
Surveyor General of India.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 5th July 1976

No. F.11-17/75-A.1.—Shri Kabir Kausar, Asstt. Archivist Grade I (Oriental Records) is appointed to officiate as Archivist (Oriental Recores) (Class II Gazetted) on purely *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 1st July 1976 and until further orders (Vice Shri R. R. Agarwal, Archivist (O.R.) retired w.o.f. 30-6-1976 (A.N.)). This *ad-hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

S. PRASAD, Director of Archivcs.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY

New Delhi, the 30th June 1976

No. A.31014/1/76-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint Shri S. K. Bhattacharyya substantively to the grade of Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in this Directorate with effect from the 14th June, 1976.

A. N. CHHIBBER, Section Officer.  
for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st July 1976

No. A. 32013/2/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri H. P. Sharma a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for a period of 33 days from the forenoon of the 29th May, 1976 to the afternoon of 30th June, 1976.

The President is also pleased to appoint Shri H. P. Sharma as Deput Director Administration in the Directorate of Health Service for the above period.

The 2nd July 1976

No. 1-18/69-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Smt. S. Zachariah relinquished charge of the post of Assistant Professor of Public Health Nursing in the All India

Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta with effect from the afternoon of the 31st May, 1976

No. 1-19/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Ranjit Kumar Sinha to the post of Assistant Professor of Bio-Physics at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of 1st June, 1976 in a temporary capacity, and until further orders.

No. A.12023/3/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. G. Srivastava, Assistant Editor (Hindi & English) Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi, to the post of Editor in the same Directorate, on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 22nd April, 1976, and until further orders, vice Shri T. K. Parthasarthy, on deputation with the world Health Organisation.

Consequent on his appointment to the post of Editor, Shri N. G. Srivastava relinquished charge of the post of Assistant Editor in this Directorate, on the forenoon of the 22nd April, 1976.

No. A.32013/1/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. R. K. Sood, Nursing Officer, Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of Nursing Adviser in the same Directorate with effect from the forenoon of 24-5-76, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

2. Consequent on her appointment to the post of Nursing Adviser, Smt. R. K. Sood relinquished charge of the post of Nursing Officer in this Directorate on the forenoon of 24-5-76.

The 3rd July 1976

No. A.12023/6/76-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. G. Tripathi, Health Education Technician Grade I (Editorial Hindi), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of Assistant Editor, (Hindi & English) in the same Directorate on an *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 15th June, 1976, and until further orders, vice Shri N. G. Srivastava, officiating on *ad hoc* basis as Editor, Central Health Education Bureau.

The 7th July 1976

No. A.12023/6/76-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Khinparmal Bhimani, Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Stores Officer (General Stores) at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 21st June, 1976, on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

2. Consequent on his appointment as Stores Officer (General Stores), Shri Khinparmal Bhimani relinquished charge of the post of Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, on the forenoon of the 21st June, 1976.

The 8th July 1976

CORRIGENDUM

No. A.32014/2/76-Admn.I.—In this Directorate's notification No. A.320140/2/76-Admn.I, dated the 15th June, 1976, for V. R. Manikar read V. R. Mainkar.

S. P. JINDAL, Dy. Director Admn. (O&M).

New Delhi, the 5th July 1976

No. 21/6(1)/75-CGHS I.—Consequently on acceptance of resignation of Dr. I. V. Sheth, Junior Medical Officer (*Ad-hoc*) working under C.G.H.S. Bombay relinquished charge of his post of G.D.O. Grade II on 31-10-75 (Afternoon).

No. 20/6(2)/75-CHS.I(Pt.III).—Consequent on acceptance of resignation of Dr. B. N. Bandopadhyay, G.D.O. Grade II (*Ad-hoc*), he relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (*Ad-hoc*) under C.G.H.S., Delhi on 31st May 1976 (Afternoon).

R. K. JINDAL, Dy. Dir. Admn.  
C.G.H.S.

Y New Delhi, the 2nd July 1976

No. 38-10/74-CHS.I.—Consequent upon his transfer from Port Health Organisation, Mandapam Camp, Dr. Y. D. Joglekar, an officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S. assumed charge of the post of Assistant Airport Health Officer in the Airport Health Organisation, Bombay on the forenoon of the 4th March, 1976

The 5th July 1976

No. 38-8/75-CHS.I.—Consequent upon his transfer from Port Health Organisation, Marmagoa, Dr S. N. Sen, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. assumed charge of the post of Airport Health Officer in the Airport Health Organisation, Bombay, on the forenoon of the 24th May, 1976.

The 7th July 1976

No. 38-8/75-CHS. I—Consequent on their transfer the following G.D.O. grade I officers of the CHS relinquished/assumed charge of their posts in the Post/Airport-Health Organisations, Bombay, with effect from the dates shown against each :—

Name	Relinquished charge of the post of	Assumed charge of the post of
1. Dr. K.K. Kaswani	Medical officer in the Post Health Organisation Bombay on the afternoon of the 14th June, 1976.	Deputy Airport Health officer in the Airport Health Organisation, Bombay, on the forenoon of the 16th June, 1976.
2. Dr. H.S. Mansaramani	Deputy Airport Health Officer in the Air Port Health Organisation, Bombay on the forenoon of the 16th June, 1976.	Medical officer in the port Health Officer Bombay on the forenoon of the 17th June, 1976.

R. N. SINHA, Dir. of Adm. & Vigilance.

New Delhi, the 2nd June 1976

No. 29/5/74-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Savitri Sharma to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of the 26th Sept., 1975.

The 7th June 1976

No. 20/6(5)/75-CGHS I.—Consequent on termination of her services Dr. (Mrs) Asha Sen, G.D.O. Grade II (Adhoc), CGHS, Delhi, relinquished charge of her post on the afternoon of the 25th October, 1975.

K. VENUGOPAL, Dy. Dir. Admn. (CGHS).

New Delhi, the 22nd June 1976

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—Consequent on his transfer from C.G.H.S., Delhi, Dr. Shiv Shankar Shukla, Ayurvedic Physician relinquished the charge of the post on the afternoon of the 4th November, 1975 and assumed charge of the post of Ayurvedic Physician under CG.H.S., Kanpur on the forenoon of the 13th November, 1975.

J. M. PURI, Dy. Asstt. Dir.

New Delhi, the 23rd June 1976

No. 20/6(2)/75-CGHS.I(Pl.III).—Consequent on acceptance of resignation of Dr. M. R. Bandopadhyay, G.D.O. Grade II (Adhoc) he relinquished charge of post of G.D.O. Grade II on 18th October, 1975 (Afternoon).

J. M. PURI,  
for Director General of Health Services.

### MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Rural Development)

### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 28th June 1976

No. F.3(13)57/76-D.II.—In partial modification of the notification No. F. 3(13)57/72-D.II dated 4th July, 1973, published in the Gazette of India, Part III, Section-I, dated 21st July, 1973 (Page-1842), the name of Shri Rajesh Azad, Marketing Officer, occurring in the said notification, may be treated as cancelled.

No. F. 3(13)57/76-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 174-CUS dated the 26th December, 1964, I hereby authorise Shri G. Gopala Rao, Dy. Senior Marketing Officer and Shri R. K. S. Pillay, Assistant Marketing Officer, to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification in respect of Animal Casings which have been graded in accordance with the Animal Casings Grading and Marking (Amendment) Rules, 1975 and the export of which is subject to the provisions of the above notification.

The 29th June 1976

No. F.3(13)52/76-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 48 dated the 24th May, 1954, No. 173 dated the 29th December, 1954, and No. 5 dated the 14th January, 1961, I hereby authorise Shri T. G. Shahani, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this Notification, in respect of Wool, Bristles and Goat Hair which have been graded in accordance with the Wool Grading and Marking Rules, 1975. Bristles Grading & Marking (Amendment) Rules, 1973 and Goat Hair Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962 respectively and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

J. S. UPPAL, Agri. Marketing Adviser.

### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-400085, the 28th June 1976

No. 19(31)/75-Confirmation/650—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned Security Officers in a substantive capacity against the permanent posts of Security Officer with effect from March 1, 1976.

Sl. No.	Name	Remarks
1.	Shri E.P. Palamkote	—
2.	Shri P.C. Sekher	Permanent Assistant Security Officer in BARC w.e.f. 1-1-66.
3.	Shri D.N. Chakraborty	Ex-serviceman from Indian Air Force.
4.	Shri M.M. Ganu	Permanent Assistant Security Officer in BARC w.e.f. 1-1-1966.

Kum. H.B. VIJAYAKAR  
Dy. Establishment Officer

### DEPARTMENT OF SPACE

Civil Engineering Division

Bangalore-560025, the 15th June 1976

No. 10/5(38)/76-CED(H)—The Chief Engineer is pleased to appoint the undermentioned Officers in the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the

same Division in a substantive capacity with effect from the forenoon of January 1, 1976 :—

Sl. No.	Name	Permanent post held, if any	Post held at present
1.	Shri A. G. Rajagopalan .	—	Engineer SC
2.	Shri Stephen Thompson	—	Engineer SC
3.	Shri K. I. Alexander .	—	Engineer SC

P. I. U. NUMBIAR, Administrative Officer-II  
for Chief Engineer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th July 1976

No. E(I)05167.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Sankaraiya, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre Nagpur to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 21-6-76 to 17-9-76

Shri Sankaraiya, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

No. E(I)04285.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. V. Parameswaran, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of thirtythree days with effect from the forenoon of 22-6-76 to 24-7-76.

Shri Parameswaran, officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

M. R. N. MANIAN, Meteorologist  
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th June 1976

No. A.38012/9/76-ES.—On attaining the age of superannuation, Shri G. Satyanarayan, Senior Aircraft Inspector in the Office of the Regional Director, Madras Region, Madras, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st May, 1976.

The 25th June 1976

No. A.32013/1/75-ES.—The President is pleased to appoint the following Assistant Aircraft Inspectors to officiate as Aircraft Inspector, on a regular basis and until further orders with effect from 3rd June, 1976 :

S. No., Name of the Officer & Station of Posting

1. Shri R. K. Paul, Assistant Aircraft Inspector, Inspection Office, Bombay—Inspection Office, Bombay.
2. Shri S. L. Vohra, Assistant Aircraft Inspector, Inspection Office, Bombay—Inspection Office, Bombay.

No. A.32013/1/75-ES.—The President is pleased to approve the proforma promotion of Shri T. K. Moitra, Assistant Aircraft Inspector, Civil Aviation Department and at present on deputation to Bokaro Steel Ltd., Bokaro, to the grade of Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department with effect from the 3rd June, 1976 and until further orders. Shri T. K. Moitra is permitted to remain on deputation with the Bokaro Steel Ltd., Bokaro.

S. L. KHANPUR, Asstt. Dir. Adm.

New Delhi, the 28th June 1976

No. A.31013/2/76-EA.(.)—The President has been pleased to appoint Shri K. V. J. Bhatt, in the post of Electrical & Mechanical Officer in the Civil Aviation Department, in a substantive capacity, with effect from the 1st May, 1975.

No. A.32014/4/75-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to decide that S/Shri J. L. Victor and M. A. Paul who have been officiating as Asstt. Aerodrome Officer, on ad-hoc basis with effect from the 5-11-72 and 14-4-73 respectively, should be deemed to have been appointed in this Grade, on regular basis, with effect from the 1st July, 1957.

V. V. JOHRI, Asstt. Dir. Adm.

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd July 1976

No. 16/247/76-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Siddique Ahmed, Assistant Conservator of Forests, belonging to Gujarat Forest Department as Assistant Instructor, Central Forest Rangers College, Chandrapur, Maharashtra, with effect from the forenoon of 11th May, 1976.

The 7th July 1976

No. 16/123/73-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri V. K. Wadhwa at present working as Mechanical Engineer, Logging Training Centres Project, Dehra Dun, substantively to the post of Assistant Engineer (Mechanical) at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from 1st August 1972.

P. R. K. BHATNAGAR, Registrar.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 19th June 1976

No. 11(75-ET/75/5917).—In pursuance of this office Estt. order No. 101/76 dated 19-3-76 issued under endt. C. No. II (3)75-ET/75/1990-80 dated 20-3-76 appointing two Inspectors (S.G.) of Central Excise to officiate as Superintendent Customs and Central Excise Group "B" Gazette post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules the following have assumed, charge as Superintendent of Customs and Central Excise at their respective place and with effect from dates and hour indicated against each :—

Sl. No.	Name of officer	Place of posting	Date of Assumption of charge
1.	Sri Digambar Singh	Superintendent, Central Excise, Banmankhi Range.	10-5-1976 (F.N.)
2.	Sri Ganga Prasad	Superintendent, Central Excise, Jaynagar.	23-4-1976 (F.N.)

H. N. SAHU, Collector, Central Excise

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st July 1976

No. 27-EE/N(1)/69-ECII.—The following officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Govt. service on 30-6-1976 (A.N.) :—

Name	Present designation
S/Shri 1. S. K. Narayanan	Executive Engineer (Elect.) Elect. Stores Division, C.P.W.D., New Delhi.
2. P. C. S. Samuel	Executive Engineer (Elect.), Bombay Elect. Divn. No. 1, C.P.W.D., Bombay.
3. A. S. Tyagi	Executive Engineer (Vigilance) C.O., C.P.W.D., New Delhi.

P. S. PARWANI, Dy. Director of Adm.  
for Engineer-in-Chief,

MINISTRY OF RAILWAYS  
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 30th June 1976

No. 74/RE/161/1.—It is notified for the information of general public that in connection with the introduction of 25 kV AC electric traction in the section Tilak Bridge (Excl.) to Indra Prastha Power House (IPH Siding) (incl.) of the Northern Railway (Structure No. KM 1533/41-G—42 G to Structure No. PH/75) height gauges have been erected at all level crossings with a clear height of 4.67 metres (15 ft. 4 in.) above road level, with a view to preventing loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above, for the purpose of loading vehicles and to ensure that loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers involved in a load of excessive height are :

- (i) The height gauge would be thrown out causing obstruction to the road as well as to the railway line;
- (ii) the materials or equipment carried (or the vehicle itself) may be damaged;
- (iii) fire may be caused involving risk to life, due to the contact or dangerous proximity with the live conductors.

B. MOHANTY, Secy. Rly. Board.

RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS  
ORGANISATION

Lucknow-11, the 21st June 1976

No. EII/ES/CFM/O/MECHI—The undermentioned officiating Asstt. Directors in the Senior Scale working in the Mechanical Engineering Department of Research Designs and Standards Organisation, Lucknow are confirmed in that appointment with effect from 12-5-1973 :—

S. No.	Name	Present designation	Post against which confirmed
1.	Sh D. N. V. Chellam	Asstt. Dir Stds/Spec.	Asstt. Dir Res/DT-I.
2.	Sh. H. Gopala-krishnan	Asstt. Dir Stds/MP-VIII	Asstt. Dir Res/OT-I.

R. M. SAMBAMOORTHI, Director General

## CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 3rd July 1976

No. HPB/220/G/I/TC.—The following probationary Officers of the Indian Railway Traffic Service on completion of their probationary period are confirmed in the Junior Scale/ Class I Service with effect from the dates shown against each :

Name & Date

1. Shri T. S. Sahote—30-11-73.
2. Shri K. K. Gokhale—22-11-74.

A. L. GUPTA, General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
(COMPANY LAW BOARD)

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Ahmedabad-380009, the 30th June 1976

## NOTICE UNDER SECTION 445(2)

*In the matter of the Companies Act, 1956 M/s. Lloyds Trading & Chit Funds Pvt. Ltd.*

No. 1959/Liquidation.—By an order dated 3/5/1976 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company petition No. 72 of 75 it has been ordered to wind up M/s. Lloyds Trading & Chit Funds Pvt. Ltd.

*In the matter of the Companies Act, 1956 M/s. Heaven Benefit & Chit Fund Pvt. Ltd.*

Ahmedabad-380009, the 30th June 1976

No. 1754/Liquidation.—By an order dated 3/5/76 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company petition No. 71 of 1975 it has been ordered to wind up M/s. Heaven Benefit & Chit Fund Pvt. Ltd.

*In the matter of the Companies Act, 1956 M/s. Kumar Benefit Pvt. Ltd.*

Ahmedabad-380009, the 30th June 1976

No. 1581/Liquidation.—By an order dated 3/5/76 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company petition No. 69 of 75 it has been ordered to wind up M/s. Kumar Benefit Pvt. Ltd.

*In the matter of the Companies Act, 1956 M/s. Sapana Benefit Pvt. Ltd.*

Ahmedabad-380009, the 30th June 1976

No. 1878/Liquidation.—By an order dated 26/3/1976 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company petition No. 54 of 1975 it has been ordered to wind up M/s. Sapna Benefit Pvt. Ltd.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Parul Financiers Pvt. Ltd.*

Ahmedabad-380009, the 30th June 1976

No. 1469/Liquidation.—By an order dated 19/3/1976 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company petition No. 56 of 1975, it has been ordered to wind up M/s. Parul Financiers Pvt. Ltd.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vankhan Finance Pvt. Ltd.*

Ahmedabad-380009, the 30th June 1975

No. 1782/Liquidation.—By an order dated 3/5/1976 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company petition No. 2 of 1976, it has been ordered to wind up M/s. Vankhan Finance Pvt. Ltd.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. G. Bhagchandani Chit Fund Private Limited*

Jaipur, the 3rd July 1976

No. Stat/1217/9421.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. G. Bhagchandani Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL  
Registrar of Companies,  
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of Companies Act, 1913 and of The Madukarai Jananukoola Nidhi Limited (in Lqn.)*

Madras-6, the 5th July 1976

No. 1742/S.247(5)Lqn./76.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 247 of the Indian Companies Act 1913 that the name of The Madukarai Jananukoola Nidhi Limited (in Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd. ILLEGIBLE  
Addl. Registrar of Companies

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin-682016, the 7th June 1976

## INCOME-TAX

C. No. 2-Estt/Gaz/Con/76-77.—The undermentioned Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officers, Class II in the grade of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the date they take over charge and until further orders:—

(i) Sri U. Raghava Menon,  
Inspector of Income-tax (Internal Audit),  
I.T. Circle-II, Calicut.

(ii) Sri V. V. Dharmapalan,  
Inspector of Income-tax,  
Office of the Asstt. Controller of Estate Duty,  
Trichur.

2. These appointments are made on a purely temporary and provisional basis and are liable to termination at any time without notice.

P. SADAGOPAN  
Commissioner of Income-tax,  
Kerala-I

## FORM ITNS—

(1) Smt. Indiraben Indravadan Bhatt,  
23, Brahman Mitra Mandal Society,  
Ahmedabad-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

(2) Dhawal Industrial Estate Owners' Association  
3, B Jadav Chambers, Ashram Road,  
Ahmedabad.  
Through its;

1. Chairman, Shri Balubhai Kanjibhai Patel,  
2. Secretary, Shri Natwarlal Udaishankar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-280 009, the 3rd July 1976

No. Ack. 23-I-934(433)/1-I/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 64-B, Plot Nos. 4 & 8 of TPS 10 situated at Raknial, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plots of land admeasuring in all 1000 sq. yards bearing F.P. No. 64-B (Part) of TPS 10 transferred under two different documents the details of which are as under :—

Plot No.	Area	Regn. No. & date
4	500 sq. Yards	17921/15-11-1975
8	500 sq. yards	17924/15-11-1975

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-7-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Navnital Shakarlal Shodhan,  
 2. Nandkishor Shakarlal Shodhan,  
 3. Saurabh Navnital Shodhan,  
 4. Harsh Navnital Shodhan,  
 Ellisbridge, Ahmedabad,  
 5. Kashyap Anandibhai Thakor,  
 Pritamnagar Society, Ahmedabad,  
 6. Harshavadan Hathiisingh Shah,  
 Jatan Flats, Behind Law College, Ahmedabad.  
 (Transferor)

(2) 1. Rajesh Hasmukhlal Pavawala,  
 2. Smt. Padma Hasmukhlal Pavawala,  
 1676, Sevka ni Vadi, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380-009, the 3rd July 1976

No. Acq. 23-I-878(834)/1-1/75-76.—Whereas I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 582 & 583, S.P. No. 3 of TPS 3 situated at Near Nagri Eye Hospital, Mithakhali, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 519 sq. yards bearing F.P. No. 582 & 583, S.P. No. 3 of TPS 3 situated near Nagri Eye Hospital, Mithakhali, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-7-1976  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Navnital Sakarlal Shodhan.  
 2. Nandkishor Shakarlal Shodhan.  
 3. Harsh Navnital Shodhan.  
 4. Saurab Navnital Shodhan.  
 Ellisbridge, Ahmedabad.  
 5. Kashyap Anandibhai Thakor,  
 Pritamnagar Society (Ellisbridge), Ahmedabad.  
 6. Harshvadan Hathsingh Shah.  
 Jatan Flats, Behind Law College, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-280 009, the 3rd July 1976

(2) Fulchand Meghjibhai Shah (H. U. F.)  
 Through  
 Fulchand Meghjibhai Shah,  
 Behind Khadayata Colony,  
 Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 514 sq yards bearing F.P. No. 582, S.P. No. 4 of TPS 3, situated near Nagri Eye Hospital, Mithakhali, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957. (27 of 1957).

J. KATHURIA,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15-176GI/76

Date : 3-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Navnital Sakarlal Shodhan,  
2. Nandkishor Sakarlal Shodhan,  
3. Saurabh Navnital Shodhan,  
4. Harsh Navnital Shodhan,  
Ellisbridge, Ahmedabad.  
5. Kashyap Ananddibhai Thakor,  
Pritamnagar Society, Ahmedabad.  
6. Harshavadan Hathsingh Shah,  
Jatan Flats, Behind Law College, Ahmedabad.  
(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

(1) 1. Rajnikant Kanyalal Shah,  
2. Mahesh Kaniyalal Shah  
Sahajivan Society, Usmanpura, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—

Ahmedabad 380 009, the 3rd July 1976

No. Acq. 23-I-1077(436) /1-1/75-76.—Whereas, I, J  
KATHURIA,

being the competent authority under section 269 B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

F.P. No. 582, S.P. No. 5 of T.P.S. 3 situated at Near  
Nagri Eye Hospital, Mithakhali, Ahmedabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Ahmedabad on 15-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

An open plot of land admeasuring 514 sq. yards bearing  
F.P. No. 582, S.P. No. 5 of T.P.S. 3, situated near Nagri Eye  
Hospital, Muthakhali, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-280 009, the 3rd July 1976

No. Acq. 23-I-1078(437)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Final Plot No. 64-B, Plot No. 2 & 6 of T.P.S. No. 10 situated at  
Rakhial, Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on 15-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Dharmiben Rajeshbhai Bhatt,  
23, Brahman Mitra Mandal Society,  
Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) Dhawal Industrial Estate Owners Association  
3, B Jadav Chambers, Ashram Road,  
Ahmedabad.  
Through

1. Chairman, Shri Balubhai Kanjibhai Patel,  
2. Secretary, Shri Natwarlal Udaishankar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later.

(b) by any other persons interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plots of land admeasuring in all 1000 sq. yards bearing F. P. No. 64-B (Part) of TPS No. 10 transferred under two different documents the details of which are as under :—

Plot No.	Area	Regn. No. & dt.
2	5400 sq. yds.	17423/15-11-1975
6	500 sq. Yds.	17425/15-11-1975

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rajeshbhai Indravadan Bhatt,  
23, Brahman Mitra Mandal Society,  
Ahmedabad-6.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1976

No. Acq.23-I-1079 (438)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot 64-B, Plot No. 3 & 7 of T.P.S. No. 10 situated at Rakhilal, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Dhawal Industrial Estate Owners Association  
3, B Jadav Chambers, Ashram Road,  
Ahmedabad.

Through

1. Chairman, Shri Balubhai Kanjibhai Patel,  
2. Secretary, Shri Natwarlal Udaishankar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plots of land admeasuring in all 1000 sq. yards bearing F.P. No. 64-B (Part) of TPS 10 transferred under two different documents the details of which are as under :—

Plot No.	Area	Regn. No. & dt.
3	500 sq. yards.	17420/15-11-1975
7	500 sq. yards	17418/15-11-1975

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1976

No. Acq.23-I-1080(439)/I-1/75-76.—Whereas, I,  
**J. KATHURIA**,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43  
of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have  
reason to believe that immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Survey No. 192, Final Plot No. 229, Sub-Plot No. 3 of TPS  
14 situated at Shahibaug, Ahmedabad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Ahmedabad on 17-11-1975  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Dipak Sarvottambhai Hatisingh,  
2. Shri Janak Sarvottambhai Hatisingh,  
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Somabhai Kuberdas Patel,  
Umiyanagar Society, Aswara, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 400 sq. yards bearing S. No. 192 Final Plot No. 229 sub-plot No. 3 of T.P.S. No. 14 and situated at Shahibaug, Ahmedabad.

**J. KATHURIA**,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Dipak Sarvottambhai Hatisingh,  
2. Shri Janak Sarvottambhai Hatisingh,  
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1976

(2) Shri Naranbhai Ishwarbhai Patel,  
Mohanlal Gandhi Park Society,  
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of land admeasuring 800 sq. yards bearing S. No. 192, Final Plot No. 229, Sub-Plot No. 1 of T.P.S. No. 14 and situated at Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 3-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Dipak Sarvottambhai Hatisingh,  
2. Shri Janak Sarvottambhai Hatisingh,  
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1976

No. Acq.23-I-1082(441)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 192, Final Plot No. 229, Sub-Plot No. 2 TPS No. 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Jivabhai Amtaram Patel,  
Umiyanagar Society, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of land admeasuring 440 sq yards bearing Sur. No. 192 Final Plot No. 292, Sub-Plot No. 2 of T.P.S. No. 14, and situated at Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date : 3-7-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Navnital Shakarlal Shodhan,  
 2. Nandkishor Shakarlal Shodhan,  
 3. Saurabh Navnital Shodhan,  
 4. Harsh Navnital Shodhan,  
 Ellis Bridge, Ahmedabad.  
 5. Kashyap Anandbhai Thakor,  
 Pritamnagar Society, Ahmedabad.  
 6. Harshvadan Hathisingh Shah,  
 Jatan Flats, Behind Law College, Ahmedabad.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM  
 HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1976

(2) 1. Jayantilal Jivanlal Soni,  
 2. Manjulaben Manilal Soni,  
 Samteswar Flats,  
 Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

An open plot of land admeasuring 505 sq. yards bearing F. P. No. 582, S. P. No. 6 of T.P.S. No. 3 situated Near Nagri Eye Hospital, Mithakandi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date : 3-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Indravadan Ambalal Bhatt,  
23, Brahman Mitra Mandal Society,  
Ahmedabad-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

(2) Dhawal Industrial Estate Owners Association  
3, B Jadav Chambers, Ashram Road,  
Ahmedabad.  
Through :  
1. Chairman, Shri Balubhai Kanjibhai Patel,  
2. Secretary, Shri Natwarlal Udaishankar.

(Transferee)

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

No. Acq. 23-I-1084(443)/1-1/75-76.—Whereas, J. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 64-B, Plot No. 1 & 5 of T.P.S. No. 10 situated at Raknial, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plots of land admeasuring in all 1000 sq. yards bearing F.P. No. 64-B (Part) of TPS No. 10 transferred under two different documents the details of which are as under :—

Plot No.	Area	Regn. No. & dt.
1	500 sq. Yards.	17419/15-11-1975
5	500 sq. Yards	17422/15-11-1975

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—176GI/76

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th July 1976

Ref. No. P.R. No. 427 Acq. 23-629/13-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land bearing C.S. No. 1584/B.R. Sur. No. 2367/C+D, situated at Sardar Ganj Road, Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 21-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Harshadkumar Vithalbhai Patel; Self as well as power of Attorney holder of Gopaldas Vithaldas Patel of Congress Nagar, Nagpur Maharashtra State.

(Transferor)

(2) M/s. Yogita Traders C/o I. S. Patel & Co. Opp. Limdawala Hospital, Anand;

(2) Through its members :

1. Mohanlal Kalidas Sheth Krishna Society, Anand.
2. Chandubhai Kalidas, Karamsad, Tal Anand.
3. Smt. Manjulaben I. Patel, self as well as guardian of :
  - (i) Minor Hiteshkumar I. Patel;
  - (ii) Minor Yogeshkumar I. Patel;
 C/o I. S. Patel & Co. Opp. Limdawala Hospital, Anand.
4. Patel Raojibhai Chaturbhai;
5. Patel Vyomeshchandra Raojibhai;
6. Smt. Surekhaben alias Shantaben Raojibhai Patel of Purnima Park Coop. Housing Society, Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land bearing C.S. No. 1584/B.R.S. No. 2367/C+D paiki F.P. No. 105/1 admeasuring 1154.2311 sq. mts. situated at Sardar Ganj Road, Anand as fully described in sale-deed registered under No. 1968 on 21-11-75 by Registering Officer, Anand.

P. N. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 5-7-76.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 7th July 1976

Ref. No. AR.V/510/34.—Whereas, I. V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11, S. No. 31 H. No. 1 (Pt.) situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 21-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Bhavan Parrat Patel & Ors. (Transferor)
- (2) Someshwar Premises Co-op. Soc. Ltd. (Transferee)
- (3)

No. (1)	FLOOR (2)	Name (3)
Shop No. 1 ,, 2	Ground ,,	Shri G. S. Pandey Shri Bhadanlal Parasaram Khandchandani
,, 3	,,	Shri Mangilal Shrilal Madracha and Shri Shri Mangilal Changhiram Choradia

FORM ITNS	(1)	(2)	(3)
	” 4	”	Shri Sonbha Haribhan Naughene and Shri Gangpat Haribhau Naughane
	” 5	”	Shri Vishanj Malsingh Gala
	” 6	”	Smt. Saidabegum Nakab Ahmed and Shri Nakab Ahmed Ahmed Bux
	” 7	”	M/s P. K. Patel & Sons.
	” 8	”	Shri Yanralaya Hamaya Koru
Flat	9	”	Shri Bipinchandra Acharatlal Desai
	” 10	First	Shri Shah Gammadal Chandulal and Smt. Shah Sunmanben Gammadal
	” 11	”	Smt. Bakulaben Praful Shah and
	” 12	”	Dr. Praful Hiralal Shah
	” 13	”	Shri Vinod Mohanlal Chitalia and
	” 14	Second.	Shri Kirikumar Mohanlal Chitalia
	” 15	”	Shri Ajitkumar Lalji Porecha Shri Anantrai Hakemchand Shah
			Shri Vilasben Jayantilal Shah.

[Person in occupation of the property  
Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of vacant plots of land together with a building constructed thereon situate at Agra Road, Ghatkopar, in Greater Bombay in the Registration Sub-District Bandra Bombay Suburban District bearing plot No. 11 of Private Scheme of Navnital Niyalchand and others and also bearing Survey No. 31, Hissa No. 1 part, containing by admeasurement 262 sq. yards equal to 219.15 sq. metres or thereabouts and also bearing S. No. 162 Hissa No. 6 part, containing by admeasurement 413 sq. yds. equal to 345.30 sq. metres aggregating a total measurement of 675 sq. yds. equal to 564.36 sq. metres or thereabouts and bounded as follows: On or towards the East by 30 feet wide road of the said Private Scheme, On or towards the West by Plot No. 10 of the Private Scheme, On or towards the North by Plot No. 12 of the said Private Scheme and On or towards the South by 30 feet wide road of the said Scheme and further to the said road by Plot No. 7 of the said Scheme.

V. R. AMIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 7-7-1976  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. V. B. Patel &amp; Co.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Sangameshwaran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V  
AYURVEDI COLLEGE BLDG, NETAJI SUBHASH ROAD  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th July 1976

Ref. No. AR.V/521/45/76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 40 Sector No. IV, situated at Chembur, Chheda Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-10-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Greater Bombay bearing Plot No. 40, in Sector No. IV Chheda Nagar and being a part of Old Survey No. 316 New Survey No. 320 admeasuring 534 square yards i.e. 446.49 square metres or thereabouts in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows: that is to say on or towards the East by Property bearing Plot No. 39 in Sector No. 4, on or towards West by property bearing Plot No. 41 in Sector No. 4, on or towards the North partly by Municipal reservation for public garden and partly by Municipal reservation for secondary school and on or towards the South by 30' wide road:

V. R. AMIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 12-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kodali Krishna Jyothi Chowdary,  
Vijayawada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA(2) Smt. Vallurupalli Vijayalaxmi,  
Visakhapatnam.

(Transferee)

Kakinada, the 2nd April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. File No. 330/J. No. 1(175)/KR/75-76.—  
 Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 Door No. 40-8/2-21 to 24 Kalanagar, Vijayawada  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
 Vijayawada on 15-11-1975,  
 for an apparent  
 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 3337/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended on 15-11-1975.

B. V. SUBBA RAO  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-4-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kodali Krishna Jyothi Chowdary,  
Vijayawada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vallurupalli Lalitha Kusumamba,  
Madras-17.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Kakinada, the 2nd April 1976

Ref. No. Acq. File No. 331/J. No. 1(173)/WG.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 40-8/2-21 to 24,  
situated at Main Road, Kala Nagar, Vijayawada  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Vijayawada on 15-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

The schedule property as per document No. 3334/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended on 15-11-1975.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

**B. V. SUBBA RAO,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Ms. The East Coast Food Products Ltd.,  
Tadepally.

(Transferor)

(2) M/s. Vinod Solvextracts (P) Ltd.,  
Tadepally.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1976

Ref. No. Acq. File No. 332/J. No. 1251/GTR/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Patta No. 157, S. Nos. 347, 198 & 347/1, Tadepally  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Guntur on 15-12-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/or

The schedule property as per document No. 5782/75 registered  
during the fortnight ended on 15-12-1975 before the  
S.R.O., Guntur.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-4-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Sri Tadisetty Krishna Murthy, Vijayawada.  
2. Mohd. Ghouse, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 5th June 1976

Ref. No. Acq. File No. 336/J, No. I (176, 177, 178, 180 & 181) 255, 256 & 257.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-4-5, Vidyadharapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Gaddam Subba Rao, S/o G. Venkata Subbaiah, VZA.  
2. Gaddam Subbaratnam, W/o G. Subbarao, VZA.  
3. Smt. Nookala Annapurnamma, W/o Subbarao, VZA.  
4. Sri Nookala Nageswara Rao, S/o Subbarao, VZA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per documents No. 3344/75, 3343/75, 3572/75, 3573/75, 3587/75, 3586/75, 3588/75 and 3589/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended on 15-11-75 and 15-12-75.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 15th June 1976

Ref. No. Acq. File No. 339/J. No. I (216)/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

64, 64/1, C&61/1, D-Ac-5-48 3/4 Cents with sheds etc at Bobbilanka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 15-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—176GI/76

(1) 1. Sri Chodey Rangarao  
2. Sri Kadiyala Satyanarayana  
3. Goli Subba Rao  
4. Goli Ammanna Chowdary  
5. Sekamuri Venkata Ramarao  
6. Smt. Chilukuri Laxmi Rajam  
7. Smt. Anne Prasunamba.

(Transferor)

(2) 1. Sri Vega Veerraju  
2. Sri Dasari Satyanarayana Murthy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule Property as per document No. 4338/75 of the SRO, Rajahmundry registered during the fortnight ended on 15-11-1975.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-6-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Alluri Narasimharaju, S/o Venkatanarasimharaju Narasayyaagraharam, Bhimavaram.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Kalidindi Bangarayya, W/o Suryanarayananaraju, Venkatapuram, H/o Lankalakoderu.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 18th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Acq. File No. 340/J. No. 214/BVM/11-75.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 8-7-71 situated at Narasayyaagraharam Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on 25-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2234/75 of S.R.O., Bhimavaram registered during the fortnight ended on 30-11-1975.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dupuguntla Narayananamurty,  
S/o Purushotham,  
Ring Road, Guntur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

(2) Dr. Dasari Suseela,  
W/o Dr. Venkataratnam,  
11962, Pennsylvania Cansas City,  
M. O. 641 45 U.S.A.  
General Power of Attorney Holder Sri Tella  
Krishnamma Chowdari,  
S/o Narayadu alias Narayana  
Retd. Dist. Judge, Srirama Krishna Paramahamisa  
Road, Chandramoulinagar, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kakinada-533004, the 2nd July 1976

Ref. No. ACQ.File No. 342/GNT/11-75.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 4-18-42

situated at Ring Road, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 7-11-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 5504/75 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-11-1975.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 2-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chaluvadi Subbarao, S/o Garitayya,  
Tadivari Lane, Kakinada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Neti Tirupataish,  
S/o Sitaramamurty,  
Jagannaikapur, Kakinada.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA(3) M/s Andhra Sea Foods,  
Represented by Managing partner B. Manik Prasad,  
Jagannaikapur, Kakinada.

[Person in occupation of the property]

Kakinada, the 5th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Acq. File No. 344/J. No. EG.220/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 45-6-17  
situated at Jagannaikapur, Kakinada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Kakinada on 29-11-1975  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 6372/75 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30-11-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 5-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chaluvadi Subba rao, S/o Garitayya,  
Tadivari Lane, Kakinada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 5th July 1976

Ref. No. Acq. File No. 345/J. No. EG/221/75-76.—  
 Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,  
 being the Competent Authority under Section  
 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
 referred to as the 'said Act') have reason to believe that  
 the immovable property having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 Door No. 45-6-17  
 situated at Jagganaikapur, Kakinada  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908), in the office of the Registering Officer at  
 Kakinada on 29-11-1975  
 for an apparent consideration which is less than  
 the fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of—

(2) Shri Neti Narayananamma  
W/o Tirupataiah,  
Jagganaikapur, Kakinada.

(Transferee)

(3) M/s Andhra Sea Foods,  
Represented by Managing partner B. Manik Prasad,  
Jagganaikapur, Kakinada.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a  
 period of 45 days from the date of publication  
 of this notice in the Official Gazette or a period  
 of 30 days from the service of notice on the  
 respective persons whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act,  
 in respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 6371/75 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-11-1975.

B. V. SUBBA RAO  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-7-1976  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Anguri Devi Kejariwal w/o  
Sri Shreelal Kejariwal of Mohalla-Chunihari-tola  
P.O./Dt. Bhagalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-189/Acq/76-77/907.—Whereas, I, A. K. SINHA,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
deed No. 12876,  
situated at Giardhari Marwari Lane, Sujaganj  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Bhagalpur on 10-11-1975  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Manoj Kumar  
Jhunjhunwala, minor s/o Sri Ram Prasad  
Jhunjhunwala of Dahitola Lane,  
Sujaganj, Bhagalpur.

(Transferee)

(3) The transferor as mentioned above.  
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed building on a plot of 1583 sq. feet land  
at Girdhari Marwari Lane, Sujaganj, Bhagalpur as described  
in deed No. 12876 dated 10-11-1975.

A. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Dr. Kali Chandra Mukherjee  
S/o Sri Atal Bihari Mukherjee,  
of & PS Sultanganj, Dt. Bhagalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA  
BIHAR

Bihar, the 7th July 1976

Ref. No. III-190/Acq/76-77/908.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. H. No. 10, situated at Khanjarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 6-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1975);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Atma Ram Ramuka  
S/o Sri Shyam Sunder Ramuka,  
of & PS Sultanganj, Dt. Bhagalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 11 kanta 16 Dhwe at Khanjarpur, Surya Narain Singh Lane, Bhagalpur, M.H. No.—10. W. No. 1 as described in deed No. 12832 dated 6-11-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-7-1976.  
Seal.

## FORM ITNS

(1) Shri Sardar Mohinder Singh  
R/o 166, Patliputra Colony, Patna.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,  
PATNA, BIHAR

Bihar, the 7th July 1976

Ref. No. III-191/Acq/76-77/909.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 23A situated at R.B. Sukhraj Road, Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhagalpur on 1-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

(2) Mrs. Harjinder Rekhi  
W/o Sri S. S. Rekhi,  
R/o Engineer Bihar Electricity Board, Ranchi.  
(Transferee)

(3) Military Estates Officer Bihar Orissa Circle, Dinapur, Cantt.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double Storey building area 2310 sq ft. H. No. 23A, W. No. 1 at R.B. Sukhraj Road Bhagalpur as described in deed No. 12757 dated 1-11-75.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Narendra Narain,  
S/o Sri Brahmdeo Narain  
of Lal Kothi, P.S. Kotwali,  
Distt. Bhagalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-192/Acq/76-77/910.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 2, 3, 10 and 12 situated at Maheshpur Ambai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhagalpur on 11-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—176GI/76

(2) Sri Lachhmi Pd. Pal  
S/o Sri Sahdeo Pal  
of Moheddinagar, P.O. Mohaddinagar,  
Dt. Bhagalpur.  
Sri Lakhman Lal Mandan, Sunder Mandal, Smt.  
Sarojani Devi and Sri Mahabir Das.

(Transferee)

(3) The transferor as stated above.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 8 Bighas with mango trees thereon at Maheshpur Ambai, P.S. Mozahidpur, Dt. Bhagalpur, H. No. 2, 3, 10 and 12 in W. No. 8 as described in deed No. 12923 dated 11-11-75.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Jayanti Devi  
W/o Sri Kameshwari Sahay  
of and P.O. Khurha, P.S. Tarari, Dt. Bhojpur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-193/Acq/76-77/911.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 115E situated at Srikrishnapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patna on 29-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Dineshwar Sahay  
S/o Sri Kameshwari Sahay  
of and P.O. Khurha, P.S. Tarari, Dt. Bhojpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 494.55 sq. yds. at Srikrishnapuri, P.S. Phulwari, Dt. Patna, W. No. 34, Plot No. 115E as described in deed No. 11219 dated 29-11-75.

A. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-194/Acq/76-77/912.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 104 situated at Sahebganj, Chapra Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saran on 13-11-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Babu Gharbharan Sah  
S/o Late Sheo Gulam Sah  
of Mohalla Sahebganj Chapra Town,  
Dt. Saran.

(Transferor)

(2) Shri Ram Nath Prasad  
S/o Late Hiraram  
of and P.S. Mirganj, Dt. Gopalganj.

(Transferee)

(3) Transferor as mentioned above.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said moneys or other assets which have not been or date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land 7 Katha at Sahebganj Chapra town, W. No. 1, H. No. 104 as described in deed No. 13392 dated 13-11-75.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Bindeswari Devi  
w/o Sri Baijnath Pd. Burnwal  
of Jharia, Dt. Dhanbad.  
(Transferor)

(2) Smt. Sabitri Devi  
w/o Sri Ram Niwas Modi  
of Main Road Jharia, Dt. Dhanbad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-195/Acq/76-77/913.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Deed No. 12531 situated at Rajbari Road, Jharia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dhanbad on 11-11-75, for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 2½ Katha with building double storied at Rajbari Road, Jharia as per deed No. 12531 dated 11-11-75.

A. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-7-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sceta Chakravarty  
W/o Sri S. N. Chakravarty  
of Nizam Palace Compound,  
Lower Circular Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-196/Acq/76-77/914.—Whereas, I, A. K. Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 15 and 16 situated at Govind Nagar Colony Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhanbad on 28-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. Sikri Brothers Coal Co.  
Near Bihar Talkies, Main Road, Jharia,  
Dt. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 10.486 katha with double storied building H. No. 333 at Govind Nagar Colony, Bokarband area Dhanbad, Plot No. 15 and 16 as per deed No. 12943 dated 28-11-75.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-197/Acq/76-77/915.—Whereas, I, A. K. Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6306, 6307, 6309 situated at Nathnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

S/Shri  
(1) Anil Chandra Ghosh,  
Sunil Chandra Ghosh,  
Nikhil Chandra Ghosh  
Sall Chandra Ghosh and  
Sushil Chandra Ghosh  
All of Sheoraphully P.S. Sirampur,  
Dt. Hoogly (W.B.)

(Transferor)

(2) Shri Dr. Om Prakash Budhwa &  
Shiv Kumar Budhia  
of Nath Nagar, Bhagalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 1 Bigba 10 Katha at Nathnagar, Bhagalpur, W. No. 19, H. No 22, Plot Nos. 6306, 6307 and 6309 as described in deed No. I-6209 dated 1-11-75.

A. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/Shri  
 (1) Anil Chandra Ghosh,  
 Sunil Chandra Ghosh,  
 Salil Chandra Ghosh,  
 Nikhil Chandra Ghosh, and  
 Sushil Chandra Ghosh  
 All of Sheoraphully P.S., Serampur,  
 Dt. Hoogly (W.B.)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
 BORING CANAL ROAD,  
 PATNA

(2) Smt. Rukmani Budhia,  
 of Nathnagar, Bhagalpur.

(Transferee)

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-198/Acq/76-77/916.—Whereas, I, A. K. Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 6300, 6304, 6305 situated at Nathnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-11-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 3 Bighas at Nathnagar, Bhagalpur, W. H. No. 22, Plot Nos. 6300, 6304 6305 as described in deed No. I-6212 dated 1-11-75.

A. K. SINHA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Savitri Devi Agrawala  
W/o Sri Kishanlal Agrawala of Jharia,  
Dt. Dhanbad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Amrik Singh  
S/o Dr. Khazan Singh of Phularitand.  
P.S. Baghmara, Dt. Dhanbad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA  
Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-199/Acq/75-76/917.—Whereas, I, A. K. Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7620 situated at Dhanbad Purulia Road, Chas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 22-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 36 dec. at Dhanbad Purulia Road, Chas, Dt. Dhanbad, Plot No. 7620 Khata No. 746 as described in deed No. 12774 dated 22-11-75.

A. K. SINHA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Savitri Devi Agrawala  
W/o Sri Kishanlal Agrawala  
of Jharia, Dt. Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-200/Acq/76-77/918.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7620 situated at Dhanbad Purulia Road, Chas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 22-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Jagat Narain Singh  
S/o Sardar Amrik Singh  
of Phularitand, P.S. Baghmara,  
Dt. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 39 dec. at Dhanbad Purulia Road, Chas, Dt. Dhanbad, Plot No. 7620, Khata No. 746 as described in deed No. 12774 dated 22-11-75.

A. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

19-176 GI/76

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Devi  
w/o Shri P. C. Agrawal of Morhabadi,  
Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna, the 7th July 1976

Ref. No. III-201/Acq/76-77/919.—Whereas, I. A. K. SINHA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1280, 1281 situated at Morhabadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ranchi on 26-11-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Land with building area 4k 6ch 22 sq. ft. at Morhabadi, Ranchi, Plot No. 1280, 1281 Khata No. 55 as described in sale deed dated 26-11-75.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 7-7-1976  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOM-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 6th July 1976

Ref. No. F.3465/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23 and 24, situated at Dr. Besant Road, Kumbakonam, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 1837/75) on 5-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri N. R. Ramanujam & Smt. S. R. Rukmani Ammal (Partners of Cauveri Colour Press) No. 15, Pachayappa Mudali St., Kumbakonam. (Transferor)

(2) Dr. Santha Kumari, No. 85, Sarangapani East St., Kumbakonam (Tanjore Dist.) (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the staid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8910 Sq. ft. (with building) and bearing Door Nos. 23 & 24, Dr. Besant Road, Kumbakonam,

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-7-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. R. Narasimhan  
 S/o Shri M. N. Ramaswami Iyer,  
 No. 1 Judge Jambulinga Mudaliyar Road,  
 Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri C. N. Basha,  
 S/o Shri Abdul Majeeth,  
 No. 3, Shanmugam Chetty, St., Panruti.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref No. 3466/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58-A situated at Chidambaram Pillai St., Panruti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panruti (Doc No. 2717/75) on 24-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 Acre and 14 Cents (with building—Sri Ram Theatre) and bearing Door No. 58A, Chidambaram Pillai Street, Panruti (R. S. No. 120/1 in Ward No. 10).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. RAJARATNAM,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Santhyavalli Aammal  
D/o Shri Nallama Naidu  
83 Tea Estate Compound,  
Race Course, Coimbatore-18.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th July 1976

F. No. 2787/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 1068/1-C, situated at Krishnarayapuram village, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 3916/75) on 6-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s Premier Plastics (represented by Shri V. Chinnaswami, Managing Partners) No. 19/30 B. K. Chetty Street, Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 18 Cents & 117 Sq. ft. (7958 Sq. ft.) and bearing Town T.S. No. 1068/IC in Ward No. 10, Block No. 17, Krishnarayapuram village Coimbatore Municipal Town.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Santhyavalli Aammal  
D/o Shri Nallama Naidu  
83 Tea Estate Compound,  
Race Course, Coimbatore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th July 1976

F. No. 2787/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 1068/I-C, situated at Krishnarayapuram village, Coimbatore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 3918/75) on 7-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s. Premier Textile Products,  
(represented by Shri R. Jayakumar,  
Managing Partner)  
No. 19/30 B.K. Chetty St.,  
Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 18 Cents & 112 Sq. ft. (7953 Sq. ft.) and bearing T.S. No. 1068/IC Block No. 17, Ward No. 10, Krishnarayapuram village Coimbatore Municipal Town.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. Murugesa Naicker,

Shri M. Anandan

No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.

Shri P. G. Venugopal, 30, Easwaran Koil St.,

Poonamallee, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th July 1976

Ref. No. F.1984/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 73 situated at R.S. No. 626/10, Kamdar Nagar Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I., Madras (Doc. No. 8050) on 14-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri M. E. Abdul Jabbar  
S/o Shri M. E. Mohamed Ibrahim,  
Java Street, Koothanallur,  
Tanjore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 73 (R.S. No. 626/10) Kamdar Nagar, Nungambakkam, Madras-34.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Zubaida Begum  
W/o Dr. Akhtar Hussain  
No. 11, Bunchi Babu Naidu St. Triplicane,  
Madras 600 005.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 8th July 1976

Ref. No. F.1998.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/31, situated at Khana Bhag Street III Lane, Triplicane, Madras 600 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Madras (Doc. No. 8056/75) on 14-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Shri K. N. Krishna Iyer and  
2. Smt. P. R. Lakshmi Ammal  
C/o Madras Eating House,  
16/10200, Western Extension Area,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 28/31 Khana Bhag Street III Lane, Triplicane, Madras 600 005.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 8-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Satin Dev Bedi  
S/o late M. S. Bedi  
No. 27, Chamiers Road, Madras-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. Meenakshisundaram  
S/o late G. S. Sreenivasa Iyer  
No. 20-C, Ormes Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 6th July 1976

Ref. No. 5003/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, Chamiers Road, situated at Adayar, Madras, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1598/75) on 28-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land measuring 4 grounds & 570 Sq. ft and bearing Municipal Door No. 2, Chamiers Road, Adayar, Madras, [R.S. No. 3901/1 (part) and Plot No. 4 under L.A. 200/1960].

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

20-176 GI/76

Date : 6-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

Dr. R. Swaminathan and  
Dr. Mrs. Shantha Sundari,  
10A, Sivaprakasa Mudali St.,  
Madras-17

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri C. G. Jayaraman  
S/o Shri C. V. Govindaswami Pillai  
No. 18, Srinagar Colony Saidapet, Madras-15.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 6th July 1976

Ref No. F.5010.—Whereas, I, S. RAJARATNAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18, Srinagar, situated at Colony, Saidapet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I, Madras (Doc. No. 8547/75) on 10-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 18, Srinagar Colony, Saidapet, Madras-15.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Josaphine Mary Alayscusfernand & Shri Joseph Antony Kasmir Fernand, South Street, Alanthalai, Keczha Tiruchendur, Tirunelveli district.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Jasmin D'Rose, W/o Shri J. A. Stephen Fernando, Madukkapathu village, Periathazhai, Tirunelveli district.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th July 1976

Ref No. 24/NOV/75-76.—Whereas, I. G. RAMANA-THAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 581 situated at Keezha Tiruchendur village, Tirunelveli district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchendur (Doc. No. 1242/75) on November 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 21 acres and 63 cents in R.S. No. 581, Keezha Tiruchendur village, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th July 1976

Ref No. 73/NOV/75-76.—Whereas, J. G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 581 situated at Keezha Tiruchendur village, Tirunelveli district

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchendur on November 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Josaphine Mary Alayseus Fernand &amp; Shri Joseph Antony Kashmir Fernand, South Street, Alanthalai, Keezha Tiruchendur.

(Transferor)

(2) Shri J. A. Stephen Fernand, Padukkappathu village, Periathazhai, Tirunelveli district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 21 acres and 63 cents in R.S. No. 581, Keezha Tiruchendur village, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th July 1976

Rcf. No. 74/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 723/2 situated at Mapadu Thandupathu village, Tiruchendur taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udangudi (Doc No. 2168/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Thulasimani Pillai,  
2. Shri Aramvalarthan,  
3. Shri Pannirukai Perumal,  
4. Shri Sivaganapathi &  
5. Shri Chidambaram,  
West Street, Kulasekharapattinam,  
Tiruchendur taluk.

(Transferor)

- (2) Smt. P. Parameswari Ammal,  
W/o P. Paulraj Nadar,  
Thandupathu, Manadu Thandupathu village,  
Tiruchendur taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 8 acres and 10 cents in R.S. No. 723/2, Manadu Thandupathu village, Tiruchendur taluk.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 7th July 1976

Ref No. 76/NOV/75-76.—Whereas, I, G.  
RAMANATHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. Nos. 183/3 & 187/5, situated at Ariyagoundampatti village, Namagiripettai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettai (Doc No. 1197/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Sundaram & Shri S. Thillai Vel (minor) by father & guardian Shri G. Sundaram, Arthur Main Road, Namagiripettai.

(Transferor)

(2) Smt. Athayec Ammal, W/o Periya Goundar, Podarpettiyar Kadu, Ariyagoundampatti P.O. Namagiripettai (via) Rasipuram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5.93 acres in R.S. No. 183/3 (1.97 acres) and 187/5 (3.96 acres), Ariyagoundampatti village, Namagiripettai, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri J. V. Pandian,  
Supervisor, Corporation of Madras,  
Madras-3.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 9th July 1976

Ref. No. 43/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 179 situated at VII Cross Street, Shenoy Nagar, Madras-30 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowearpet, Madras (Doc. No. 1159/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri K. Shanmughasundara Nadar,  
Kasimari Bhavanam,  
61, Pulla Reddy Avenue,  
Shenoynagar, Madras-30.

(Transferee)

(3) 1. Beacon Creations (P) Ltd.  
2. Shri S. Sathianarayanan.  
3. A. P. Asirvatham.  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Purasawalkam Hindu Janopakara Saswadha Nidhi.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2640 sq. ft. with building thereon at 179, Seventh Cross Street, Periakoodal, Sheonoynagar, Madras-30.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 9-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 9th July 1976

Ref. No. 58/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29 situated at Gajapathi Naidu Street, Lakshmiapuram, Shenoynagar, Madras-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 8011/75) on 12-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri C. M. Ekambaram,  
93, VI Street (V Block),  
Naduvakkai Road, Madras-40.

(Transferor)

(2) Shri K. R. Dakshinamurthy,  
29, Gajapathi Naidu Street,  
Lakshmiapuram, Shenoynagar, Madras-30.

(Transferee)

(3) Name not known  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 199 sq. ft. with building thereon at 29, Gajapathi Naidu Street, Lakshmiapuram, Shenoynagar, Madras-30.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 9-7-1976  
Seal :

## FORM ITNS.

(1) Shri Ousep D. Attokaran,  
Iruveli Road, Cochin-2.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Jos Brothers, by partners Frankpet Fernandez,  
Mrs. Kate Fernandez  
Mrs. B. Gonsalves and Don Bosco Consalves,  
4, White Road Royapettah,  
Madras-14.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 9th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 1844 sq ft situated at part of plot No. 45 in L.A. N.A. 250/59 (R.S. No. 358), Off Harrington Road, Madras.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

21—176GI/76

Date : 9-7-1976

Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Ayyammal, W/o Nambi Reddiar, 14-D, Kottur Road, Palayamkottai, on behalf of herself and her minor Krishnaveni; daughters, Leelavathi, Rajeshwari and Shri Veerayya; and Smt. Vijaya, W/o Shri Ramanathan.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

(2) Shri R. V. A. Rajendran, S/o R. V. V. Appasamy Naidu, Illayarasanenthal, Sankaran Kovil Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 9th July 1976

Ref. No. 71/NOV/75-76.—Wheras, I, G. RAMANATHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 190/3, 928/1, 934 & 937/2 situated at Kulavanikapuram, Palayamkottai (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Palayamkottai (Doc. No. 3160/75) on 13-11-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.50 acres in Survey Nos. 190/3 (0.05), 928/1 (0.86), 934 (1.08) and 937/2 (0.51) of Kulavanikerpuram village, Tirunelveli district.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 9-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ayyammal, W/o Nambi Reddiar,  
14-D, Kottur Road, Palayamkottai,  
on behalf of herself and her minor daughters,  
Leelavathi, Rajeshwari and Krishnaveni;  
Shri Veerayya; and  
Smt. Vijaya, W/o Shri Ramanathan.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 9th July 1976

Ref. No. 72/6OV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269-B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act') have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000 and bearing  
S. No. 190/3, 928/1, 934 & 937/2 situated at Kulavanikarpuram  
village, Palayamcottai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Palayamcottai (Doc No. 3161/75) on 13-11-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
Said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri R. A. Muthalasamy,  
S/o R. V. V. Appasamy Naidu,  
Illayarasonenthal, Sankaran Kovil Taluk,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
Said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 2.50 acres in Survey Nos.  
190/3, 928/1, 934, and 937/2 of Kulavanikarpuram village,  
Tirunelveli District.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the  
following persons, namely :—

Date : 9-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri C. Paramasivam,  
S/o A. V. Chinnasamy Chetty,  
Bagalahalli, Dharmapuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1976

Ref No. 4/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 60, 61, 62/1 and 63 situated at Bagalahalli, Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmapuri (Doc. No. 1329/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Tailor D. Chinnasamy,  
Appavoo Nagar, Dharmapuri town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8.38 acres in survey Nos. 60 (2.50 acres), 61 (2.13 acres), 62/1 (1.44 acres), and 63 (2.31 acres) in Bagalahalli, Dharmapuri.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1976

Ref. No. 13/NOV/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1/1 and 1/2, situated at Sadasivapuram village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arthur (Doc. No. 2333/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Varadarajan,  
2. Shri Krishnasami,  
3. Shri Devaraj  
Kattukottai village, Athur taluk.  
4. Shri Lakshmpathi  
5. Shri Kannan  
6. Shri Srinivasan  
minors by father and guardian S. No. 2  
7. Shri Sridharan  
8. Shri Bharathi  
9. Shri Umashankar  
minors by father and guardian S. No. 4

(Transferor)

- (2) Shri V. Ramaswami alias Duraisami Gounder,  
S/o Palanivel Gounder, Sadasivapuram,  
Attur tq. Salem dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9.24 acres in Survey Nos. 1/1 (9.12 acres) and 1/2 (0.12 acres), Sadasivapuram village, Attur Taluk, Salem Dt.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Thulasi Ammal, W/o Gopalakrishna Iyer,  
269, Goodshed Road, Madurai.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayamani Villavarayar,  
33A, New Colony, Tuticorin.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 12th July 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 cents with building thereon at door No. 32, 1st Street, Chidambaranagar, Tuticorin.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Athiappa Gounder,  
Smt. Pappayiammal,  
Shri Balasubramaniam,  
Shri Boopal,  
Sarojini

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri R. Rangasami,  
Adilam village.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-  
SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1976

Ref. No. 47/NOV/75-76.—Whereas, I. G.  
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 546, 547, 550 & 551 situated at Adilam village, Palakkodu taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barur (Doc. No. 883/75) on 25-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8.51 $\frac{1}{4}$  acres in Survey Nos. 546 (2.59 acres), 547 (3.09 $\frac{1}{4}$  acres), 550 (1.19 acres) and 551 (1.64 acres), Adilam village, Palakkodu taluk.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**G. RAMANATHAN,**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1976

Ref No. 49/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.No. 186, 187 & 188 situated at Amini Reddy Halli, Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmapuri (Doc. No. 2592/75) on 30-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Abdul Wadood,  
Shri Abdul Jaleel,  
Shri Abdul Jameel,  
Shri Abdul Waheed,  
M. Zaibunnissa,  
K. Azimunnissa,  
Habimunnissa,  
Khurshid. } sons and daughters of  
Shri Abdul Munif.

Smt. Namarunnissa, wife of Abdul Munif, Ahamed Basha Street, Dharmapuri town.

(Transferor)

(2) Shri R. M. Sivanathan,  
son of Kari Munniappa Chettiar,  
Amini Reddi Halli, Dharmapuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4.01 acres in survey Nos. 186 (1.95 acres), 187 (0.52 acres) and 188 (1.54 acres) in Amini Reddi Halli, Dharmapuri.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras, the 13th July 1976

Ref No. 27/NOV/75-76.—Whereas, I, G.  
RAMANATHAN

being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
S. No. 388, 389/1, 394/4, 438/3 situated at Iluppaiurani  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at Kovilpatti (Doc. No. 2191/75) in November 1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons,  
namely :—  
22—176GI/76

- (1) 1. Selliah Nadar,  
2. Ramasamy,  
3. Balakrishnan,  
4. Jayapalan,  
5. Sekhar,  
6. Kaliappa Nadar,  
7. Vairavasamy,  
8. Kaliammal,  
9. Badra Kaliammal,  
10. Kasiammal  
11. Panchavarnam  
12. Mariappan  
13. Velikanda Nadar.

(Transferor)

- (2) Srinivasan (minor by father and guardian  
Shri Nagarajan,  
Velayudhapuram, Kovilpatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said  
property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the **Official Gazette** or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the **Official Gazette**.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act' shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12 acres and 47-8/15 cents  
(29/30 share out of 13.94 acres) in Survey Nos. 338, 389/1,  
394/4, 438/3, Iluppaiyurani village, Kovilpatti.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13.7.1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri L. N. Vasudevan, C.A.,  
by power of attorney agent  
Shri L. P. N. Rajagopal,  
Salem-Cuddalore Main Road, Athur, Salem district.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 13th July 1976

Ref No. 15/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 37/2 /37/3 situated at Thulukkanur village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Attur (Doc. No. 2369/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.68 acres in Survey Nos. 37/2 (1.37 acres) and 37/3 (1.31 acres) in Thulukkanur village, Athur, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri D. Krishnaswamy &  
Shri K. Muthiasamy Gupta,  
66, New Fair lands, Alagapuram,  
Salem 4.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) J. K. K. Rangammal Charitable Trust  
Rep. by Managing Trustee  
Shri J. K. K. Nataraja,  
Kumarapalayam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 13th July 1976

Ref No. 96/NOV/75-76.—Whereas, I, G.  
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Pymash No. 34 situated at Chinnappa Naickenpalayam patti,  
Salem district  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Kumarapalayam (Doc. No. 1609/75) on 18-11-1975  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 394 cents in Pymash No. 34, Chinnappa-  
naickenpalayampatti, Kumarapalayam, Salem district.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 13-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri D. Krishnasamy &  
Shri K. Muthiasamy Gupta,  
66, New Fair lands, Alagapuram,  
Salem 4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. K. K. Rangammal Charitable Trust  
by Managing Trustee  
Shri J. K. K. Nataraja,  
Kumarapalayam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 13th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. 25/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Pymash No. 33 & 34 situated at Chinnappaickalpalayam patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 599/76) on 29-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 39 $\frac{1}{4}$  cents in Pymash No. 33 and 34, Chinnappaickalpalayam patti, Kumarapalayam, Salem district.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Jashwanti

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, 18th June 1976

Ref. No. 81-M/Ack.—Whereas, I, F. RAHMAN being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 131 situated at Vijayi Pur Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 1-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Majdoor Kisan Grah Nirman Samiti Ltd.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari measuring three Bigha Seven Biswa Khasra No. 131, situated at Vijayi Pur Distt. Lucknow.

F. RAHMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Malti Agarwal

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Prayagupniveshan Awas Evam Nirman Sah-Kari Samiti Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th June 1976

Ref. No. 52-P/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

329 B situated at Muthi Ganj, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 1-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 329-B situated of Muthi Ganj, Allahabad.

F. RAHMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 18-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M. Winters

(Transferor)

(2) Dr. Tapeshwari Dayal Srivastava

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1976

Ref. No. 16T/Acq.—Whereas, I, RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 22-A situated at Mission Compound Kutchery Road, Mirzapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mirzapur on 12-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Whole land of plot No. 22-A and eastern portion of constructed bungalow with open land in plot No. 22 situated at Mission Compound Kutchery Road, Distt. Mirzapur.

F. RAHMAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 2-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Musammat Bhagwati

(Transferor)

(2) Tekola Devi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1976

Ref. No. 15T/Acquisition.—Whereas I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 779 and others situated at Vill. Maunana Tehsil Aonla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aonla (Bareilly) on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural and Khet No. 779, 838, 770, 779, 874, 892 and 896 situated at Gram (vill.) Maunana Tehsil Aonla Distt. Bareilly.

F. RAHMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Prem Narain Singh

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hari Om Gupta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Owner self.

(person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1976

Ref. No. 26-H/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House with wala Khana situated at Mohalla Shyam ganj, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 12-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House with Wala Khana 1/3 portion of Mahdada Zail which is situated at Shyam Ganj Bareilly.

F. RAHMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

23—176GI/76

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Prem Narain Singh

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Saran

(Transferee)

(3) owner self

(person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1976

Ref. No. 33—J/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House with Wala Khana Mohalla Shyam ganj Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bareilly on 12-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House with Wala Khana 1/3 portion of Mahduda Zail which is situated at Mohalla Shyam Ganj, Bareilly.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Commanding General Bahadur Shamsher Jang Bahadur Rama—Kathmandu Nepal Through Shri Shamsher Jang Bahadur Rana now General power of attorney.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kamal Bikram Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1976

Ref. No. 51-K/Acquisition.—Whereas, I. F. RAHMAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-3/19 Mohalla Shivala (Varanasi City)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 17/11/1975  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

A three storeyed house bearing No. B-3/19 situated at Mohalla Shivala Varanasi City.

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

F. RAHMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 7-7-1976  
Seal :

FORM JTNS

(1) Shri Girja Shanker Tandon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1976

Ref. No. 94R/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 312 situated at Mawaiya Scheme Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow on 12-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Ravinder Singh &amp; others

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 312 measuring 1805 sqr. ft. situated at Mawaiya Scheme Lucknow.

F. RAHMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-7-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chhedi Lal

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1976

Ref. No. 124S/Acquisition.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old C-K 2/9 Present C-K 32/30 situated at Nepali Khapra Distt. Varanasi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 17-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Samaj Hitkari Sabha

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house property along with land bearing No. Old C-K 2/9 Present C-K 32/30 situated at Nepali Khapra Dist. Varanasi.

F. RAHMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Prem Narain Singh

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th July 1976

Ref. No. 125-S/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House with Wala Khana situated at Mohalla Shyam Ganj, Bareilly  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 12-11-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Satish Kumar

(Transferee)

(3) owner self

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House with Wala Khana 1/3 portion of Mohduda Zail which is situated at Mohalla Shyam Ganj, Bareilly.

F. RAHMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th July 1976

Ref. No./Acq./1030/Gbd/75-76.—Whereas, I, VIJAY, BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabd on 26-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Har Kishan s/o Sri Mohanlal  
2. Swaran Kumar s/o Shri Mohan Lal all R/o Patel Nagar, Ghaziabad, Distt, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand s/o Mohan Lal  
2. Smt. Kanta Gupta w/o Sri Niwas all R/o 58 Ashok Nagar, Ghaziabad Distt, Meerut.  
3. Sri Phiraya Lal s/o Atma Ram  
4. Sri Mihendra Kumar s/o Sri Phiraya Lal all R/o 55A Lohiya Nagar, Ghaziabad Distt, Meerut, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 58 measuring 200 sq. yds, situated at Nayug Market, Sahani Gate, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 70,000/-.

VIJAY BHARGAVA  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) —

- (1) 1. Sri M. Mutaiah.  
2. Sri M. Shankar.  
3. Sri M. Nagiab.  
4. Smt. Narsawa, W/o Late Sri M. Manikyam.  
5. Smt. Kistawa, W/o Late M. Malliah,  
all residing at Nizamabad.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th July 1976

- (2) Sri Laxman Rao Palsikar, S/o late Sri Sesh Rao Palsikar, Lecturer, R/o Nirmal Tq. Adilabad. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC No. 109/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-3-231 situated at Banzara Galli, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on Nov. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : M. No. 1-3-231 situated at Banjara Galli, Nizamabad. Area 371.33 Sq. Yards.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th July 1976

Ref. No. R.A.C.110/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKA-

TARAMAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

S.No. 147 situated at Bakaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at 15th November on J.S.R. Hyderabad  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

24—176 GI/76

(1) 1. K. Bhusaiah s/o Lakshmaiah,  
2. Kottala Lakshmaiah s/o Bhusaiah.  
3. Kottala Dharmiah s/o Bhusaiah.  
4. Kottala Maheswar s/o Bhusaiah.  
residing at 1-4-426/28, Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Saradhi Co-Operative Housing Society Ltd.,  
Regd. No. 46/TAB/74 represented by its Presi-  
dent Shri Gaka Ramaswamy, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Non agricultural land admeasuring 6195 square yards  
equivalent to one acre 16 guntas (whole of) survey num-  
ber 147 situated at Bhakaram within the Municipality of  
Hyderabad bounded by :

North : Municipal Road.

South : State Bank of India Colony.

East : The plot Jillella Ranga Reddy.

West : Municipal Road and SBI Colony.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri N. Nainar Mohamed, Keezha Nedu Theru,  
Uthamapalayam 626533.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. M. K. Mohamed Rowther, Minor, by  
guardian Shri S. M. Syed Meeran, Pullikara Theru,  
Uthamapalayam 626533.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th July 1976

Ref. No. 86/Nov/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 271/2 & 274/ and 4 situated at Chinnamanur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chinnamanur (Doc. No. 3280/75) on 29-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

28/120 undivided share in land measuring 2.72 acres in survey Nos. 271/2 and 274/4 & 274/1 (rice mill) Chinnamanur village, with building/thereon at/Uthamapalayam,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 12-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri N. Nainar Mohamed, Keezha Nadu Theru  
Uthamapalayam 626533.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. M. Sultan Maideen, Pullikara Street, Uthamapalayam 626533.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

28/120 undivided share in land measuring 2.72 acres in survey No. 271/2 and 274/4 & 274/1 with building (rice mill) thereon at Chinnamanur village, Uthamapalayam taluk.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri N. Nainar Mohamed, Keezhai Nadu Theru, Uthamapalayam 626533.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. M. Alla Pichai, Pullikara Street, Uthamapalayam 626533.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1976

Ref. No. 88/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANA-

THAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

271/2 & 274/4, 274/1 situated at Chinnamanur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chinnamanur (Doc. No. 3278/75) on 29-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

28/120 undivided share in land measuring 2.72 acres in Survey Nos. 271/2 & 274/4 & 274/1 with building (rice mill) thereon at Chinnamanur village, Uthamapalayam.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. M. Subramania Pillai, Chinnamanur 626515.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1976

Ref. No. 101/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 271/2, 274/4, 274/1 situated at Chinnamanur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chinnamanur (Doc. No. 3224/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri S. M. Syed Meeran, Pullikārā Therū, Uthāmapalayam 626533.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

21/120 undivided share in land measuring 2.72 acres in survey Nos. 271/2, 274/4 &amp; 274/1, with building (rice mil) thereon at Chinnamanur village, Uthamapalayam taluk.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 12-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. Jayaraj,  
Shri Varadarajan  
Shri Murugesan  
minors by father and guardian  
Shri K. Jayaraj,  
Seelavampatti village, Periakulam taluk.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(2) Shri S. M. Syed Meeran,  
Pullkara Theru, Uthamapalayam 626533.

(Transferee)

Madras-6, the 12th July 1976

Ref No. 102/NOV/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 271/2, 274/4 & 274/1, situated at Chinnamanur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chinnamanur (Doc. No. 3240/75) on November 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

15/120 undivided share in land measuring 2.72 acres in survey Nos. 271/2, 274/4 and 274/1 with building (rice mill) thereon at Chinnamanur village, Uthampalayam taluk.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

Date : 12-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Virendra Kumar Singh S/o Shri Ramswaroop-singh Rajput, R/o House No. 34 Malviya Nagar-3, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th July 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77/689.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of house No. 34, Plot No. 129 situated at Malviya Nagar, Bhopal—area 30' 40" X 90' on floor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(2) Smt. Kulveer Kaur W/o Sardar Kuldeepsingh Gulati R/o Gurunanak Pura, Near Bhopal Raisen Road and 2. Sardar Kuldeepsingh Gulati S/o Sardar Singh in the capacity of Mukhtar Smt. Soubhagya-wati, Rojendrakaur D/o Sardar Jagatsingh W/o Meharsingh, R/o 17/A Heartspring Garden, Kola-lumpur, Malesiya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house No. 34, Plot No. 129 situated at Malviya Nagar, Bhopal—area 30' 40" X 90' & one floor.

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 20-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/690.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of single storey house No. 34, Plot No. 129 situated at Malviya Nagar, Bhopal—area 13' 2" x 90', situated at Bhopal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Virendra Kumar Singh S/o Shri Ramswaroop Singh Rajput, R/o House No. 34 Malviya Nagar-3, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Kuldeep Kaur W/o Shri Sardar Kuldeep Singh Gulati R/o Gurunanakpura, Bhopal Raisen Road, Bhopal 2. Smt. Soubhagyawati Rajendrakaur W/o Sardar Mehar Singh S/o Sardar Jagat Singh R/o 17/A Heartspring Garden, Kolalumpur, Malesiya, through Shri Kuldeep Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of single storey house No. 34, Plot No. 129 situated at Malviya Nagar, Bhopal—area 13' 2" x 90'.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 20-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th July 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77/691.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of single storey house No. 34, Plot No. 129 Malviya Nagar, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

25—176GI/76

(1) Shri Virendra Kumar Singh S/o Shri Ramswaroop Singh Rajput, R/o House No. 34 Malviya Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Kulbeer Kaur W/o Shri Kuldeep Singh Gulati R/o Gurunanak Pura, Near Bhopal Raisen Road, Bhopal 2. Smt. Rajendrakaur D/o Jagatsingh W/o Meharsingh R/o 17/A Heartspring Garden, Kolalumpur, Malesiya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of single storey house No. 34, Plot No. 129 Malviya Nagar, Bhopal.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 20-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 19th July 1976

Ref No. IAC/Acq.I/SR III/1004/Nov.I(5)/75-76.—  
Whereas I, C. V. GUPTA  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
21-B-2 situated at Friends Colony, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on 10-11-1975  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Bhai Balbir Singh s/o Bhai Sunder Dass and  
Bhai Rani Chand Balbir Singh w/o Bhai Balbir Singh  
both r/o 9-A, Ratendor Road, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Romila Rani Kapoor w/o Mr. Siri Krishan  
Kapoor of House No. 4842, Ansari Road, 24,  
Delhi-6.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that part, piece and parcel of free-hold land known as  
plot No. 21-B-2, total measuring 994, yds situated in Friends  
Colony, New Delhi and bounded as under :—

East : Society's Road followed by Nullah and Main  
Mathura Road.

West : The rest of the land sold by K. L. Punjabi.

North : Part of Plot No. 21-B-1 of Mrs. Uttam Anand.

South : Part of plot No. 21-B belonging to Bhai Balbir  
and Bhai Rani Chand Balbir Singh.

C. V. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 19-7-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Suraj Kumar & others sons of Shri Ayodhya Nath r/o Mohalla Qilla, Jullundur.  
(Transferor)

(2) Shrimati Nirmala Rani w/o Sh. Mohan Lal and others r/o Sharda Nand Street, Jullundur.  
(Transferee)

(3) at S. No. 2  
(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th July 1976

Ref. No. AP-1605.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 5668/ November, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rattan Singh Sarine, s/o, Shri Balwant Singh Sarine, r/o, 6, Hemkud, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amar Bir Singh s/o, Shri Attar Singh, r/o, A-7, Greater Kailash-II, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1013/Nov.II/(2)/75-76.—  
whereas I, C. V. GUPTA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
M-295 situated at Greater Kailash-II, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 19-11-75  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. M-295, measuring 400 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi, in the Union Territory of Delhi, within limits of Delhi Municipal Corporation of Delhi, South Zone, and bounded as under:—

East : Road  
West : Road  
North : Plot No. M-293  
South : Plot No. 297

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date : 20-7-1976  
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
NOTICE  
INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL  
SERVICE EXAMINATION, 1977

F.12/1/76-EI(B)

New Delhi, the 31st July, 1976

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTIACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA and TRIVANDRUM commencing on the 25th January, 1977 in accordance with the Rules published by the Cabinet Sectt. (Dep't. of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 31st July, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate numbers of vacancies in Grade IV of the two Services are given below:—

(i) The Indian Economic Service	10
(ii) The Indian Statistical Service	10

The above numbers are liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A Candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preference when making appointments.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1977. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1977 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New

Delhi-110011, on or before the 27th September 1976 (11th October 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 27th September 1976), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI  
Deputy Secretary  
Union Public Service Commission

## ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

## ANNEXURE II

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO

APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

*No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep, from a date prior to 27th September 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application alongwith the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) & (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1977. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR THE VIVA VOCE ON THE

RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF VIVA VOCE. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Banks Drafts will not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 48.00, Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount in the account head "051, Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with the application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

**Note 1.**—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

**Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.**

(iii) *Certificate of Educational Qualifications.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (*i.e.* University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can, to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

**NOTE.**—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th April, 1977.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of this recent passport size (5 cm.  $\times$  7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

**N.B.—**Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ and/or\*  
his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* \_\_\_\_\_  
of \_\_\_\_\_ District/Division\* of the  
State/Union Territory\* of \_\_\_\_\_

Signature.....  
\*\*Designation.....

(with seal of Office)

Place .....

Date .....

State/Union Territory\*

\*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.  
†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development officer (Lakshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b) (ii) or 5(b) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25 March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Tarnit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b) (iv) or 5(b) (v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b) (vii) or 5(b) (viii), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b) (ix) or 5(b) (x) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_  
of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/ in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation .....

Date .....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b) (xi) or 5(b) (xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below, from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_  
of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Service in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature .....

Designation .....

Date .....

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Sectt. (Dept. of Personnel and Administrative Reforms), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110006) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema,

Emporia, Building 'C' Block Baba Kharag Singh Marg New Delhi (110001), (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and office of the Union Public Service Commission, New Delhi-110011, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets, are also obtaining from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12, ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

